शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 266 | गुवाहाटी | रविवार, 3 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

दक्षिण 24 परगना में भिड़े टीएमसी और भाजपा समर्थक — पेज 2
जनता ने डॉ. हिमंत को दिया आशीर्वाद : पवित्र मार्घेरिटा — पेज 3
मुख्यमंत्री के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए की गई संदीप पाठक पर ... — पेज 5
रोड्स, फाप डु प्लेसी और हेनरिक क्लासेन अब बने टीम मालिक — पेज 7

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

असम में गठबंधन सहयोगियों से मिली कांग्रेस, एग्जिट पोल नकारा, कहा–

यह माहौल बनाने की कोशिश

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव के नतीजे चार मई को आने हैं, लेकिन उससे पहले कांग्रेस ने अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। शनिवार को कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षकों, जिनमें डीके शिवकुमार, भूपेश बघेल और जितेंद्र सिंह शामिल थे, ने चुनाव पूर्व गठबंधन सहयोगियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य चुनाव नतीजों के पश्चात की तैयारियों पर चर्चा करना और वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य का आकलन करना था। कांग्रेस ने असम में विधानसभा चुनावों के लिए रायजोर दल, असम जातीय परिषद (एजेपी), सीपीआई (एम), एपीएचएलसी और सीपीआई (एमएल) सहित पांच अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ एक मजबूत गठबंधन बनाया है। इस गठबंधन के नेताओं ने चुनाव में एकजुट होकर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का मुकाबला करने का संकल्प लिया है। बैठक के बाद आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में, असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने आत्मविश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि गठबंधन आसानी से असम में सरकार बनाएगा। उन्होंने भाजपा के पक्ष में एग्जिट पोल के अनुमानों को सिरे से खारिज कर दिया। गोगोई ने इन एग्जिट पोल को सत्तारूढ़ दल द्वारा माहौल बनाने का प्रयास बताया, जिसका उद्देश्य मतदाताओं को प्रभावित करना है। गोगोई ने कहा कि चर्चा हुई और प्रतिनिधियों ने कहा कि असम की जनता, किसानों, युवाओं और महिलाओं ने एक नई सरकार बनाने के लिए मतदान किया है। चार मई को नतीजे आएंगे। हमें स्ट्रांग रूम पर नजर रखनी होगी। हम सभी को मतगणना के दिन के लिए तैयार रहना होगा। हम सब एकजुट हैं। भाजपा ने एग्जिट पोल के माध्यम से असम में माहौल बनाने की कोशिश की है, लेकिन हम इस जाल में नहीं फंसेंगे। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और असम चुनाव पर्यवेक्षक डीके शिवकुमार ने भी एग्जिट पोल के नतीजों पर अविश्वास जताया। उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ दल के डर से मतदाता खुलकर अपनी राय व्यक्त नहीं कर पा रहे हैं। शिवकुमार ने कहा कि हमारी टीम असम में मजबूत, एकजुट और आत्मविश्वासी है। हमने चुनाव बहुत अच्छी तरह लड़ा है। मीडिया ने एग्जिट पोल के बारे में जो भी रिपोर्ट किया है, मैं व्यक्तिगत रूप से उस पर विश्वास नहीं करता। असम में मतदाताओं के बीच एक बड़ा डर है। यहां तक कि उन्हें भी मुफ्त की चीजें नहीं दी गई हैं जो भाजपा के साथ तालमेल नहीं बिठाते। ऐसी स्थिति में, कौन सामने आकर कहेगा कि किसने किसके लिए वोट दिया? उन्होंने पार्टी की जीत के प्रति अपनी दृढ़ता व्यक्त की और यह भी दावा किया कि कुछ भाजपा नेताओं ने अपनी संभावित हार के कारण कांग्रेस से संपर्क साधा है। शिवकुमार ने –शेष पृष्ठ दो पर

हॉर्स ट्रेडिंग : मत गणना से पहले विधायकों को बचाने पहुंचे डीके शिवकुमार

गुवाहाटी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार शनिवार को असम पहुंचे। उन्होंने घोषणा की कि 4 मई को होने वाले विधानसभा चुनावों की मतगणना से पहले विधायकों को संभावित खरीद–फरोख्त के प्रयासों से बचाना उनका प्राथमिक लक्ष्य है। गुवाहाटी में शिवकुमार ने कहा कि मैं यहां अपने विधायकों की रक्षा करने, उनका मार्गदर्शन करने और पार्टी की मदद करने आया हूं। वे आज और कल सुरक्षित हैं। वे छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ राज्य में कांग्रेस उम्मीदवारों से मुलाकात करने पहुंचे हैं, क्योंकि पार्टी इस महत्वपूर्ण चुनाव के नतीजों का बेसब्री से इंतजार कर रही है। कांग्रेस हलकों में राजनीतिक संकट के दौरान विधायकों को दलबदल से बचाने के लिए होटल की राजनीति में अपनी भूमिका के लिए जाने जाने वाले शिवकुमार पार्टी के विधायकों को एकजुट रखने को लेकर आश्वस्त दिखे। उनका यह दौरा चुनाव के बाद की राजनीतिक उठापटक और विधायकों के पाला बदलने की संभावना को लेकर चल रही अटकलों के बीच हुआ है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने असम में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की आसान जीत की भविष्यवाणी करने वाले एग्जिट पोल को भी खारिज कर दिया। डीके शिवकुमार –शेष पृष्ठ दो पर

200 से ज्यादा सीटें जीतेगी टीएमसी : ममता ने किया दावा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे आने से ठीक दो दिन पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा दावा किया है। शनिवार को ममता बनर्जी और टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने पार्टी के काउंटिंग एजेंटों के साथ एक अहम वर्चुअल बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की 294 विधानसभा सीटों में से तृणमूल कांग्रेस 200 से अधिक सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज करने जा रही है। ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ने मतगणना केंद्र पर तैनात होने वाले काउंटिंग एजेंटों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतगणना के दिन सभी एजेंट केंद्रों पर नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज कराएं। साथ ही, वे –शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

आसमान की तरफ देखो। हम अकेले नहीं हैं। सारा जहां हमारा दोस्त है और सपने देखने और उन्हें पूरा करने वालों की मदद करता है।

– **अब्दुल कलाम**

दिल्ली में जज ने की खुदकुशी, घर में मिली लाश

दिल्ली। दिल्ली में एक जज ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। यह घटना दिल्ली के सफदरजंग इलाके में हुई। खुदकुशी करने वाले जज अमन कुमार शर्मा कड़कड़डूमा कोर्ट में कार्यरत थे। उनका आवास ग्रीन पार्क में था। पुलिस ने बताया कि सफदरजंग इलाके में दिल्ली न्यायिक सेवा के एक अधिकारी ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच के अनुसार, मृतक की पहचान अमन कुमार शर्मा के रूप में हुई है। फिलहाल, फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला लग रहा है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आगे की जांच जारी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि –शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल चुनाव : 15 बूथों पर कड़ी सुरक्षा में हुआ पुनर्मतदान, शाम पांच बजे तक 86.90 प्रतिशत वोटिंग

कोलकाता। बंगाल के डायमंड हार्बर व मगराहट पश्चिम विधानसभा क्षेत्रों के 15 बूथों पर शनिवार को कड़ी सुरक्षा में पुनर्मतदान हुआ। डायमंड हार्बर के चार (बूथ नंबर 117, 179, 194 व 243) और मगराहट पश्चिम के 11 (बूथ नंबर 46, 126, 127, 128, 142, 214, 215, 216, 230, 231 व 232) बूथों पर फिर से वोट पड़े। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार शाम पांच बजे तक इन 15 बूथों पर कुल 86.90 प्रतिशत मतदान हुआ। मगराहट पश्चिम में 86.11 प्रतिशत व डायमंड हार्बर में 87.60 प्रतिशत वोट पड़े। चूंकि मतदान जारी था, इसलिए वोट प्रतिशत बढ़ स्वाभाविक है। इन बूथों पर गड़बड़ी की शिकायतें मिलने के बाद चुनाव आयोग ने वहां नए सिरे से मतदान कराने का निर्णय लिया था। सुबह मतदान शुरू होने के साथ ही इन बूथों के सामने लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। –शेष पृष्ठ दो पर

अफ्रीका में भारत ने खोद निकाला तेल का सबसे बड़ा कुआं, पूरी दुनिया हैरान

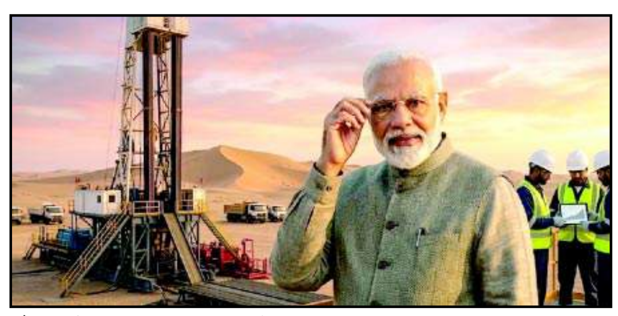

नई दिल्ली। जहां चाह वहां राह और जब इरादे भारत जैसे मजबूत हो तो राह सिर्फ बनती नहीं इतिहास भी लिखती है। जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। तेल बाजार में हड़कंप मचा हुआ है। पूरी दुनिया महंगाई के डर से कांप रही है। उसी समय भारत ने चुपचाप ऐसा कदम उठाया जिसने खेल बदल दिया। खबर आई उत्तर अफ्रीका के देश लीबिया से वही लीबिया जिसे अस्थिरता, गृह युद्ध और खतरे का इलाका माना जाता है। लेकिन इसी धरती पर भारत की सरकारी कंपनियों ने वो कर दिखाया जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। भारत की कंपनियां ऑयल इंडिया लिमिटेड और इंडियन ऑयल ने लीबिया के गदा मिस बेसिन में बड़ी सफलता हासिल की। रिपोर्ट्स के मुताबिक वहां छठे कुएं की ड्रिलिंग के दौरान बड़े तेल भंडार मिलने के संकेत हैं। अब जरा आप सोचिए जब दुनिया तेल के लिए परेशान थी तब भारत रेगिस्तान के नीचे अपना भविष्य तलाश रहा था। भारत आज अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से तेल खरीदता है। इसका मतलब साफ है कि अगर दुनिया में युद्ध हो, सप्लाई रुके तो सीधा असर भारत की जेब पर पड़ता है। पेट्रोल महंगा, डीजल महंगा और महंगाई तेजी से बढ़ जाती है। लेकिन इस बार भारत ने –शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में सुरक्षाबलों का बड़ा एक्शन 23 बंकर ध्वस्त, 18 आईईडी बरामद

इंफाल। मणिपुर में जारी तनाव के बीच सुरक्षाबलों ने उग्रवादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उखरुल जिले में 23 अवैध बंकरों को नष्ट कर दिया है। इसके साथ ही सुरक्षाबलों ने तेंगनौपाल जिले से 18 आईईडी बरामद किए हैं। पुलिस ने शनिवार (2 मई) को जारी बयान में बताया कि यह कार्रवाई मंगलवार को अलग–अलग संवेदनशील इलाकों में की गई। बयान में के मुताबिक लिटन पुलिस थाना क्षेत्र के मोंगकोट चेपू, शोंगफेल, मुल्लम, सिराराखोंग और रिंगु के पहाड़ी गांवों में सुरक्षाबलों ने बीते गुरुवार को बंकर नष्ट किए गए। इसके साथ ही हथियार भी बरामद किए गए हैं, जिनमें 12 बोर की एक पंप–एक्शन शॉटगन, 17 कारतूस और 111 खोखे शामिल हैं। वहीं बुधवार को एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह पुलिस थाने क्षेत्र के टी बोंगमोल गांव में हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा जब्त किया। –शेष पृष्ठ दो पर

कल मतगणना से पहले डिब्रूगढ़ में निषेधाज्ञा लागू

डिब्रूगढ़। डिब्रूगढ़ जिला प्रशासन ने 4 मई को होने वाले असम विधानसभा चुनाव , 2026 के लिए मतगणना से पहले भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट प्रांजल बोरुआ द्वारा जारी आदेश का उद्देश्य मतगणना प्रक्रिया का सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन सुनिश्चित करना और किसी भी अप्रिय घटना या सार्वजनिक शांति भंग को रोकना है। आदेश के अनुसार, डिब्रूगढ़ पॉलिटेक्निक, लाहोवाल में स्थित मतगणना –शेष पृष्ठ दो पर

ईरानी सेना की खुली चेतावनी : अमेरिका के साथ फिर भड़क सकता युद्ध!

तेहरान। ईरान ने अमेरिका को लेकर बड़ा और सख्त बयान दिया है। ईरानी सैन्य अधिकारी सर्दार असादी ने कहा कि अमेरिका के साथ युद्ध दोबारा भड़क सकता है और ईरान की सेना किसी भी स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका समझौतों का पालन नहीं करता और उसके बयान केवल मीडिया और तेल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए होते हैं। ईरान ने साफ कहा कि अगर अमेरिका कोई *नई कार्रवाई* करता है, तो उसे जवाब दिया जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया है। ईरानी सशस्त्र बल ने कहा कि हमारे पास जानकारी है कि यूएस फिर से हमला करने की योजना बना रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ईरान पर हमला हुआ, तो इस क्षेत्र के तेल और गैस को लंबे समय के लिए अलविदा कहना पड़ेगा। एक जांच में कहा –शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल मतगणना : 4 को 240 से अधिक अतिरिक्त पर्यवेक्षक होंगे तैनात

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए चुनाव आयोग ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। आयोग ने शनिवार को 165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षक और 77 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात किए हैं। यह तैनाती मतगणना केंद्रों पर कानून–व्यवस्था और सुरक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि जिन विधानसभा क्षेत्रों में एक से अधिक मतगणना हॉल हैं, वहां अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। पुलिस पर्यवेक्षक मतगणना केंद्रों के आसपास कानून–व्यवस्था की व्यवस्था की निगरानी करेंगे। आयोग –शेष पृष्ठ दो पर

एलपीजी सिलेंडरों की सौ फीसदी सप्लाई की जा रही सुनिश्चित, आपूर्ति ठप होने की कोई रिपोर्ट नहीं : सरकार

नई दिल्ली (हि.स)। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप्स पर सिलेंडर खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। घरेलू परिवारों को एलपीजी सिलेंडरों की 100 फीसदी सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है। विदेश मंत्रालय खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में चल रहे घटनाक्रमों पर लगातार नजर रख रहा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि कल ऑनलाइन घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की बुकिंग बढ़कर 99 फीसदी हो गई, जबकि ओटीपी आधारित डिलीवरी 94 फीसदी से ज्यादा हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि मार्च, 2026 से अब तक लगभग 5.96 लाख पीएनजी गैस कनेक्शन दिए गए हैं और 2.68 लाख अतिरिक्त कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है, इसके साथ ही लगभग 6.66 लाख ग्राहकों ने नए कनेक्शनों के लिए पंजीकरण कराया है। मंत्रालय ने कहा कि 9 अप्रैल, 2026 से मुंबई, कोच्चि, विजाग, चेन्नई, मथुरा और गुजरात की रिफाइनरियों ने रसायन, फार्मा और पेंट उद्योग को 10,000 मीट्रिक टन से अधिक प्रोपलीन और 1200 मीट्रिक टन से अधिक ब्यूटाइल एक्रिलेट बेचा है। –शेष पृष्ठ दो पर

भारत–बांग्लादेश व्यापार को बढ़ावा देने की पहल उच्चायुक्त ने अधिकारियों के साथ की बैठक

कोलकाता (हि.स.)। भारत–बांग्लादेश के बीच व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से सहायक उच्चायुक्त मनोज कुमार ने शनिवार को चेंगराबांधा लैंडपोर्ट का दौरा किया। दौरे के दौरान उन्होंने सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी), कस्टम्स और इमिग्रेशन अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यापार की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान दोनों देशों के व्यापारियों ने कई अहम मुद्दे उठाए। बता दें कि, पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जनपद स्थित चांगराबन्धा लैंड पोर्ट, बांग्लादेश की सीमा से लगा एक महत्वपूर्ण व्यापारिक चौकी है और भूटान के लिए एक प्रमुख पारगमन मार्ग के रूप में कार्य करता है। यह भारत–बांग्लादेश और भूटान–बांग्लादेश व्यापार का एक प्रमुख केंद्र है, जहां –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED
For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

जुआ खेलने के आरोप में चार गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के सामागुरी इलाके से पुलिस ने जुआ खेलने के आरोप में चार जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के सामागुरी इलाके से चार जुआरियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अब्दुल फालान, अहिदुल, समसुल हक और साईदुल के रूप में की गई है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों के पास जुआ खेल की कुछ सामग्री भी बरामद किया है। हालांकि, अभियान के दौरान अन्य आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहे। पुलिस इस संबंध में गैंबलिंग एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। उधर असम के श्रीभूमि जिले के बदरपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे पुलिस ने एक युवक को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि कार्रवाई सिलचर-रंगिया एक्सप्रेस ट्रेन में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान की गई। गिरफ्तार युवक की पहचान मुसाहेदुल इस्लाम के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से हेरोइन से भरे तीन साबुनदानी बरामद किए गए, जिन्हें गुप्त रूप से ले जाया जा रहा था। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सिलचर से जागीरोड तक हेरोइन की तस्करी करने की कोशिश कर रहा था। बताया जा रहा है कि तेजपुर के समीदुर नामक व्यक्ति ने उसे यह खेप सप्लाई के लिए दी थी। रेलवे पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद आरोपी मुसाहेदुल इस्लाम को आगे की जांच के लिए बदरपुर पुलिस के हवाले कर दिया है।

पश्चिम बंगाल के 15 बूथों पर पुनर्मतदान के बीच बवाल

दक्षिण 24 परगना में भिड़े टीएमसी और भाजपा समर्थक

नई दिल्ली। अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना में 15 बूथों पर दोबारा वोटिंग के दौरान आज तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भाजपा के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। इलाके में दोनों तरफ के लोग अफरा-तफरी मचाते हुए दिखे। ये 15 बूथ दक्षिण 24 परगना की दो विधानसभा सीटों में हैं। दोबारा वोटिंग आज सुबह बिना किसी घटना के शुरू हुई। मगराहाट पश्चिम विधानसभा सीट के 11 पोलिंग स्टेशनों और डायमंड हार्बर के चार पोलिंग स्टेशनों पर वोटिंग हुई। चुनाव में धांधली के आरोपों के चलते चुनाव आयोग ने दोबारा मतदान का आदेश दिया था। जिले के फलता इलाके में निवासियों के विरोध प्रदर्शन के बीच ये झड़पें हुईं। निवासियों का आरोप था कि सोमवार को होने वाली वोटों की गिनती से पहले तृणमूल कार्यकर्ताओं ने उन्हें धमकियां दीं और डराया-धमकाया। एक महिला निवासी ने बताया कि तृणमूल के इसराफिल चौकीदार ने हमें धमकी दी है कि अगर ये लोग जीत गए तो वे हमारे घर जला देंगे और खून-खराबा करेंगे। एक अन्य महिला ने दावा किया कि उसने तृणमूल को वोट दिया था। उसने इस बात पर हैरानी जताई कि उसी पार्टी के एक नेता ने उसे निशाना बनाया, जिसे उसने वोट दिया। महिला ने कहा कि हमने तृणमूल को वोट दिया, फिर भी उन्होंने हम पर हमला किया। हम चाहते हैं कि उसे गिरफ्तार किया जाए। हमें महिलाओं के लिए सुरक्षा चाहिए। चुनाव आयोग के दोपहर 2 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, मगराहाट पश्चिम में 56.33 प्रतिशत और डायमंड हार्बर में 54.9 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि आज कुल मतदान प्रतिशत 55.57 प्रतिशत रहा।

जम्मू और श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस का हुआ शुभारंभ

जम्मू (हि.स.)। शनिवार को जम्मू और श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ हो गया है और यात्रियों ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताया है और कहा है कि इससे क्षेत्र के लोगों को आर्थिक रूप से भी लाभ होगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हरी झंडी दिखाकर जम्मू तवी रेलवे स्टेशन से श्रीनगर-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस को रवाना किया था। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह संचालन शुरू हुआ है। उम्मीद है कि यह ट्रेन सेवा जम्मू क्षेत्र और कश्मीर घाटी के बीच यात्रा को काफी बेहतर बनाएगी। यात्रियों ने इस कदम का स्वागत करते हुए इसे बेहतर कनेक्टिविटी, यात्रा के समय में कमी और क्षेत्र के आर्थिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। यात्रियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के उद्घाटन के बाद यह ट्रेन आज से नियमित रूप से चलने लगी है और हम उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

पूसीरे ने आईआईटी गुवाहाटी के साथ किए एमओयू पर हस्ताक्षर

गुवाहाटी (हिंस)। रेल संरक्षा को बेहतर और आधुनिक तकनीक अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने प्लग-एंड-प्ले फ्लीट-वाइड ऑनबोर्ड वाइब्रेशन आईएमयू-जीपीएसइवेंट कैमरा सिस्टम को विकसित करने और उसे लागू करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने शनिवार को बताया कि इस सिस्टम को एक प्लग-एंड-प्ले ऑन-बोर्ड सॉल्यूशन के तौर पर डिजाइन किया गया है, जिससे इंजन और कोच में बिना किसी बड़े बदलाव के इसे आसानी से इंस्टॉल किया जा सकता है और इस तरह इसे पूरे फ्लीट में लागू किया जा सकता है। यह ट्रैक की स्थितियों पर लगातार और काफी सटीक नजर रखने के लिए जीपीएस टेक्नोलॉजी के साथ-साथ एडवांस्ड इनर्शियल मेजरमेंट यूनिट (आईएमयू) सेंसर का इस्तेमाल करता है। इस सिस्टम में इवेंट-आधारित कैमरा टेक्नोलॉजी भी शामिल है, जो ट्रैक में किसी भी गड़बड़ी का पता लगाने और रियल-टाइम में उसका विश्लेषण करने में मदद करती है। इस सिस्टम से पूरे रेल नेटवर्क में ट्रैक की कमियों की निरंतर मैपिंग हो सकेगी और रियल-टाइम अलर्ट जेनरेट होंगे, जिससे संरक्षा से जुड़े संभावित जोखिमों पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी। इस सहयोग का मकसद भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी की रिसर्च विशेषज्ञता का लाभ उठाकर एक ऐसा समाधान तैयार करना है, जिसे बड़े पैमाने पर लागू किया जा सके और जो किफ़ायती भी हो। इससे प्रेडिक्टिव और कंडीशन-बेस्ड रखरखाव को बढ़ावा मिलेगा, जिससे मानवीय निरीक्षण पर निर्भरता कम होगी और किसी भी खराबी के होने से पहले ही उसे रोकने में मदद मिलेगी। यह पहल परिचालन दक्षता, विश्वसनीयता और यात्रियों की सुरक्षा में सुधार लाएगी, साथ ही डेटा-संचालित और तकनीक-सक्षम बुनियादी ढांचा प्रबंधन के व्यापक दृष्टिकोण को भी सहयोग करेगी। यह प्रोजक्ट भारतीय रेल और शैक्षणिक संस्थानों के बीच मजबूत सहयोग के माध्यम से स्वदेशी तकनीक के विकास को भी बढ़ावा देती है। यह साझेदारी, पूसीरे द्वारा रेलवे के बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और नवाचार तथा रियल-टाइम निगरानी के जरिए सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कांकेर में आईईडी निष्क्रिय करते समय विस्फोट से चार जवान बलिदान

कांकेर (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के कांकेर और नारायणपुर जिले की सरहद पर छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आदनार गांव के पास के जंगल में शनिवार को डी-माइनिंग और एरिया डॉमिनेशन ऑपरेशन के दौरान आईईडी विस्फोट हो गया। इसमें सुरक्षा बल के चार चार जवान बलिदान हो गए। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने इसकी पुष्टि की है। इस अभियान के दौरान दुर्घटनावश आईईडी विस्फोट हो गया, जिसकी चपेट में आने से कांकेर डीआरजी के 4 जवान घायल हो गए। इनमें इंस्पेक्टर सुखराम वट्टी, कॉन्स्टेबल कृष्णा कोमरा, कॉन्स्टेबल संजय गढपाले अत्यधिक जख्मी होने से वे घटना स्थल पर ही बलिदान हो गए। जबकि गंभीर रूप से घायल बस्तर फाइटर का जवान परमानंद कोर्राम को बेहतर उपचार हेतु रायपुर ले जाया गया था, जहां उपचार के दौरान उनका भी निधन हो गया है। इस संबंध में बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में आत्मसमर्पित माओवादी कैडरों द्वारा दी गई जानकारी और अन्य इनपुट के आधार पर, माओवादियों द्वारा पूर्व में छिपाकर रखे गए सैकड़ों आईईडी बस्तर रेंज में पुलिस एवं सुरक्षाबलों द्वारा बरामद कर निष्क्रिय किए जा रहे हैं। लेकिन आज की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में, जब कांकेर जिला पुलिस दल आईईडी को निष्क्रिय कर रहा था, तभी वह आकस्मिक रूप से विस्फोटित हो गया, जिसके कारण चार पुलिस बल के जवान बलिदान हो गये हैं।

जनगणना 2027 : बिहार में स्व-गणना अभियान सफलतापूर्वक संपन्न

पटना (हिंस)। बिहार राज्य में चल रहे जनगणना के संबंध में शनिवार को जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार एवं पत्र सूचना कार्यालय, पटना द्वारा प्रेस वार्ता किया गया। प्रेस वार्ता में रंजिता, निदेशक, जनगणना कार्य, बिहार ने प्रथम चरण के अंतर्गत स्व-गणना की प्रगति और आगे की तैयारी की जानकारी दी। निदेशक ने बिहारवासियों की सक्रिय भागीदारी के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्व-गणना में जनता का सहयोग राज्य को राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु प्रेरित करता है। उन्होंने बताया कि अंतिम तिथि तक बिहारवासियों ने लगभग 47 लाख (46,82,284) स्व-गणना पूरी की है। निदेशक ने अवगत कराया कि आज से सभी प्रगणक और पर्यवेक्षक अपने-अपने आवंटित हाउस लिस्टिंग ब्लॉक में जाकर सीएमएमएस पोर्टल पर बनाई गई डिजिटल सीमाओं का भौतिक सत्यापन करेंगे। यदि किसी प्रकार की त्रुटि पाई जाती है तो उसे पर्यवेक्षक के माध्यम से चार्ज अधिकारी द्वारा ठीक किया जाएगा। तत्पश्चात सभी मकानों को क्रमांक दिया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक मकान की गिनती, परिसंपत्तियों तथा सुविधाओं से संबंधित जानकारी एचएलओ ऐप के माध्यम से दर्ज की जाएगी। जिन परिवारों ने पहले ही स्व-गणना की है, उनके आईडी लेकर सत्यापन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी जिलों में निदेशालय के अधिकारियों को भेजा गया है जो स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर कार्य की निगरानी और तकनीकी सहायता प्रदान करेंगे। डेटा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समय-समय पर निरीक्षण की व्यवस्था भी की गई है। निदेशक ने सभी राज्यवासियों से अपील की है कि वे जनगणना कर्मियों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें तथा सही-सही जानकारी उपलब्ध कराएं। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि जनगणना के दौरान प्राप्त सभी व्यक्तिगत सूचनाएं जनगणना अधिनियम, 1948 के प्रावधानों के तहत पूर्णतः गोपनीय रखी जाती हैं तथा उनका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

पुलवामा में आतंकी सहयोगी गिरफ्तार हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद

पुलवामा (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के राजपोरा में सुरक्षाबलों ने शनिवार को संयुक्त सर्च अभियान के दौरान एक आतंकी सहयोगी को गिरफ्तार किया है। सुरक्षाबलों ने उसके पास से हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह अभियान पुलवामा पुलिस ने सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 183 बटालियन के समन्वय से विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर चलाया। संयुक्त टीम ने राजपोरा में सीबी नाथ रोड के किनारे कस्बायार इलाके में तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान काचीपोरा निवासी मोहम्मद उमर मलिक नामक एक आतंकी सहयोगी को गिरफ्तार किया गया। सुरक्षा बलों ने उसके पास से हथियार, विस्फोटक और अन्य सामग्री बरामद की, जिनमें एक पिस्तौल, मैगजीन, जिंदा कारतूस और दो हथगोले शामिल हैं। राजपोरा पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 75/2026 दर्ज करते हुए आरोपित के खिलाफ शस्त्र अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की संबंधित धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार आगे की जांच जारी है।

पृष्ठ एक का शेष

यह माहौल बनाने...

कहा कि हम अपने आंतरिक सर्वेक्षण पर भरोसा कर रहे हैं। इस बीच, भाजपा की ओर से, हमने बहुत सारी जानकारी एकत्र की है। हमने भाजपा उम्मीदवारों, जिनमें विधायक और मंत्री भी शामिल हैं, से मुलाकात की है। उन्होंने चुनाव जीतने का आत्मविश्वास खो दिया है। उनमें से कुछ हमारे नेताओं, उम्मीदवारों और सहयोगियों से संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। कई एग्जिट पोल ने भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने का अनुमान लगाया है। एक्सिस माय इंडिया ने अनुमान लगाया है कि भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए 126 में से 88 से 100 सीटें जीतेगा, जबकि कांग्रेस गठबंधन को 24 से 36 सीटें मिलेंगी। जेवीसी ने एनडीए के लिए 88-101 सीटें और कांग्रेस गठबंधन के लिए 23-33 सीटें, जबकि एआईयूडीएफ को 0-2 और अन्य को तीन सीटें दीं। मैट्रिज ने भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए 85-95, कांग्रेस गठबंधन के लिए 25-32 और अन्य के लिए 6-12 सीटों का अनुमान लगाया है।

हॉर्स ट्रेडिंग : मत गणना...

ने कहा कि मैं किसी भी एग्जिट पोल पर विश्वास नहीं करता, चाहे वह हमारे पक्ष में हो या नहीं। एग्जिट पोल के लिए नमूना आकार छोटा होता है, इसलिए मेरे अपने आकलन हैं। उन्होंने ऐसे सर्वेक्षणों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए यह बात कही। पश्चिम बंगाल और असम में विपक्ष की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर, शिवकुमार ने जोर देकर कहा कि जिन राज्यों में चुनाव हुए हैं, वहां इंडिया ब्लॉक सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा कि मेरी पार्टी के कार्यकर्ता पूरी तरह आश्वस्त हैं कि कांग्रेस गठबंधन सत्ता में आएगा। मुझे अपने नेताओं पर भरोसा है। मुझे असम के मतदाताओं पर भरोसा है। उन्हें बदलाव चाहिए, और उन्हें बदलाव मिलेगा। कई एग्जिट पोल ने असम में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को लगातार तीसरी बार सत्ता में आने का अनुमान लगाया है। एक्सिस माई इंडिया ने एनडीए के 126 सीटों में से 88-100 सीटें जीतने का अनुमान लगाया है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को 24-36 सीटें मिलने की उम्मीद है। जेवीसी ने एनडीए के लिए 88-101 सीटें और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए 23-33 सीटें होने का अनुमान लगाया है, जिसमें एआईयूडीएफ को 0-2 सीटें और अन्य को तीन सीटें मिलने की बात कही गई है।

200 से ज्यादा सीटें ...

मतगणना की पल-पल की जानकारी पार्टी नेतृत्व को देते रहें। ममता बनर्जी ने कहा कि जब तक मतगणना की पूरी प्रक्रिया समाप्त नहीं हो जाती, तब तक कोई भी एजेंट केंद्र छोड़कर बाहर न आए। मुख्यमंत्री ने हालिया एग्जिट पोल्स को पूरी तरह से नकार दिया। कई एग्जिट पोल्स में भाजपा को बढ़त दिखाई गई है। इस पर ममता ने कहा कि ये सब शेयर बाजार को प्रभावित करने की साजिश है। उन्होंने इसे 2021 और 2024 के चुनाव जैसा ही प्रोपेगेंडा बताया। सीएम दीदी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों ने चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं पर बर्बरता की है। उन्होंने वादा किया कि संकट के समय पार्टी के साथ खड़े रहने वाले कार्यकर्ताओं को भविष्य में पुरस्कृत किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस ने इस चुनाव में 291 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। बाकी की तीन सीटों पर चुनाव सहयोगी भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा ने लड़ी हैं। बनर्जी को भरोसा है कि उनका यह गठबंधन भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगा। दक्षिण 24 परगना के मगराहाट पश्चिम और डायमंड हार्बर जैसे क्षेत्रों में पुनर्मतदान के बीच ममता बनर्जी का यह आत्मविश्वास पार्टी कार्यकर्ताओं में नया जोश भर रहा है।

बंगाल चुनाव : 15 बूथों ...

वहीं फलता विधानसभा क्षेत्र में भी फिर से मतदान कराने का आयोग निर्णय ले सकता है। इसे लेकर जल्द उच्च स्तरीय बैठक की जाएगी। सीईओ सूत्रों के अनुसार पुनर्मतदान का निर्णय लिए जाने पर आगामी चार मई को उक्त विस क्षेत्र के वोटों की गिनती स्थगित की जा सकती है। मालूम हो कि इस विधानसभा क्षेत्र में भी बूथों में गड़बड़ी की आयोग को कई शिकायतें मिली हैं। इस बीच शनिवार को फलता के कासिमनगर में फिर तनाव फैल गया। तृणमूल पर भाजपा समर्थकों को मारने-पीटने व धमकाने का आरोप लगा है। इसका प्रतिवाद करते हुए भाजपा समर्थकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध कर विरोध-प्रदर्शन किया। दूसरी तरफ तृणमूल ने इस आरोप को सिरे से नकारा है। आयोग ने इसे लेकर जिला प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। मालूम हो कि फलता में उत्तर प्रदेश के सख्त मिजाज आइपीएस अधिकारी व बंगाल में चुनाव आयोग के पुलिस पर्यवेक्षक अजयपाल शर्मा व यहां से तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी जहांगीर खान के बीच गत मंगलवार को वाकयुद्ध देखने को मिला था। अजयपाल शर्मा ने जहांगीर को डराने-धमकाने से बाज आने की चेतावनी दी थी, इसपर जहांगीर ने पलटवार करते हुए कहा था कि अगर अजयपाल शर्मा *सिंघम* हैं तो वे भी *पुष्पा* हैं और किसी के दबाव में नहीं झुकेंगे।

अफ्रीका में भारत ने ...

पहले से तैयारी कर रखी थी। लीबिया का गदा मिस बेसिन तेल के लिए मशहूर माना जाता है। यहां का क्रूड ऑयल अच्छी क्वालिटी का बताया जाता है जिसे रिफाइन करना आसान होता है। अगर भारत को यहां स्थाई उत्पादन मिल गया तो यह सिर्फ व्यापार नहीं रणनीतिक जीत होगी क्योंकि इसका सीधा मतलब होगा भारत अब सिर्फ खरीददार नहीं रहेगा सबसे बड़ा खिलाड़ी बनेगा। दोस्तों, सबसे बड़ी बात यह है कि लीबिया जैसा देश आसान नहीं है। वहां राजनीतिक अस्थिरता है। अलग-अलग गुट सक्रिय हैं। सुरक्षा चुनौतियां हैं। ऐसे माहौल में जाकर काम करना कोई साधारण बात नहीं है। लेकिन भारत ने वहां भरोसे का रिश्ता बनाया। भारत ने सिर्फ संसाधन नहीं देखे, बल्कि साझेदारी का मॉडल अपनाया। यही वजह है कि भारतीय कंपनियों को वहां स्वीकारिता मिल गई। ऐसे में सवाल उठता है क्या इससे भारत में पेट्रोल सस्ता हो जाएगा? देखिए सीधा जवाब तो तुरंत नहीं है लेकिन लंबे समय में फायदा जरूर हो सकता है क्योंकि जब किसी देश के पास खुद के स्रोत बढ़ते हैं तो वैश्विक संकटों से कम प्रभावित होता है। सरकार के पास कीमतों को संभालने की ताकत बढ़ जाती है। यानी आज लीबिया में जो हो रहा है उसका असर कल आपकी जेब पर दिख सकता है। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती है। भारत सिर्फ लीबिया तक सीमित नहीं है। रूस के सखालिन और साइबेरिया क्षेत्रों में भारतीय निवेश पहले से मौजूद हैं। मुंजाबिक के गैस प्रोजेक्ट हैं। ब्राजील और लैटिन अमेरिका में भी भारत मौके तलाश रहा है। यह एक बड़ी रणनीति है एनर्जी डायवर्सिफिकेशन की। मतलब अगर एक जगह संकट आ जाए तो दूसरे स्रोत चालू रहे। यही समझदार देशों की सबसे बड़ी पहचान होती है। आज दुनिया समझ रही है कि भारत सिर्फ बाजार नहीं है बल्कि भविष्य की ताकत है। और सोचिए अगर भारत तेल, गैस और रेयर अर्थ जैसे संसाधनों में मजबूत हो गया तो इसका असर सिर्फ अर्थव्यवस्था पर नहीं पड़ेगा। राजनीति पर भी पड़ेगा। क्योंकि दुनिया में ताकत सिर्फ सेना से नहीं काम आती। ताकत आती है ऊर्जा से, ताकत आती है सप्लाई चेन से, ताकत आती है आत्मनिर्भरता से। कुछ रिपोर्ट में यह भी चर्चा हो रही कि लीबिया के कुछ इलाके में गैस और दुर्लभ खनिजों की संभावना भी हो सकती है। अगर भविष्य में ऐसा सच साबित हुआ तो भारत के लिए यह डबल जीत होगी।

मणिपुर में सुरक्षाबलों ...

बताया जा रहा है कि दो सिंगल बैरल राइफल, मैगजीन सहित नौ मिमी की चार पिस्तौल और 18 आईईडी जब्त किए गए। इन विस्फोटकों को सावधानी पूर्वक मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इससे पहले सुरक्षा बलों ने व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाते हुए कांगपोकपी और उखरुल जिलों में कुल 12 अवैध बंकरों को ध्वस्त किया था। पुलिस के अनुसार, कांगपोकपी जिले के सैकुल थाना क्षेत्र में लुंगटर हिल पर तीन अवैध बंकर नष्ट किए गए, वहीं टिंगपिबुंग और लेपलेन गांव में एक-एक बंकर को ध्वस्त किया गया। तो वहीं उखरुल जिले के लिटन थाना क्षेत्र में सात अन्य बंकरों को भी सुरक्षा बलों ने नष्ट किया था। ये सभी बंकर ऊंचे और संवेदनशील इलाकों में बनाए गए थे, जिनका इस्तेमाल हमलों और जवाबी कार्रवाई के लिए किया जा रहा था। ये अवैध बंकर फरवरी से शुरू हुई हिंसा के बाद कूकी और तांगखुल नागा समुदायों के सशस्त्र समूहों द्वारा बनाए गए थे। दोनों समुदायों के बीच बढ़ते टकराव ने इलाके में हालात को बेहद संवेदनशील बना दिया है।उखरुल जिले में तंगखुल नगा और कुकी समुदायों के बीच हिंसा भड़कने के बाद से गोलीबारी की विभिन्न घटनाओं में कम से कम सात लोग मारे गए थे और 30 से अधिक घरों को जला दिया गया था। उखरुल, कामजोंग और कांगपोकपी जिले इस हिंसा से सबसे ज्यादा प्रभावित बताए जा रहे हैं। कई इलाकों में लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी है। सुरक्षा बलों का कहना है कि राज्य में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे और अवैध हथियारों एवं ढांचों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षाबलों संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है ताकि किसी भी तरह की हिंसक गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। वहीं प्रशासन ने लोगों से अफवाहों से बचने और सहयोग करने की अपील की है।

कल मतगणना से ...

केंद्र के 100 मीटर के दायरे में लोगों के इकट्ठा होने और वाहनों की पार्किंग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मतगणना केंद्र में प्रवेश केवल उन्हीं व्यक्तियों के लिए सख्ती से प्रतिबंधित रहेगा जिनके पास मतगणना दिवस के लिए विशेष रूप से जारी किए गए वैध पहचान पत्र होंगे। प्रशासन ने सार्वजनिक सभाओं या विजय जुलूसों में हथियार, लाठी या किसी भी ऐसी वस्तु को ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है जिसका उपयोग हथियार के रूप में किया जा सकता है। प्रतिबंधित क्षेत्र के भीतर अस्थायी खाद्य स्टॉल और दुकानें भी प्रतिबंधित कर दी गई हैं। इसके अतिरिक्त, मतगणना केंद्र से 100 मीटर के दायरे में राजनीतिक दलों या उम्मीदवारों द्वारा लाउडस्पीकर, सार्वजनिक संबोधन प्रणाली और किसी भी प्रकार के संगठित समारोहों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। परिणाम घोषित होने के बाद विजय रैलियों की अनुमति नहीं दी जाएगी और पूरे क्षेत्र में पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि, इस आदेश से चुनाव ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों और सरकारी अधिकारियों को छूट दी गई है। प्रतिबंधित क्षेत्र के भीतर स्थित स्थायी व्यावसायिक प्रतिष्ठान इससे प्रभावित नहीं होंगे। यह निषेधाज्ञा 4 मई को सुबह 5:00 बजे से प्रभावी होगी और मतगणना प्रक्रिया पूरी होने तक लागू रहेगी । अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि किसी भी उल्लंघन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 के संबंधित प्रावधानों के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ईरानी सेना की खुली ...

गया है कि कई अमेरिकी सैन्य ठिकाने प्रभावित हुए हैं। कुवैत के केम्प ब्यूरिंग जैसे बड़े ठिकानों को भी नुकसान पहुंचने की बात सामने आई है, जहां पहले बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिक तैनात थे। बताया गया है कि ईरान के हमलों में खाड़ी के आठ देशों में स्थित कम से कम 16 अमेरिकी सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचा है, जिनमें से कई अब इस्तेमाल के लायक नहीं बचे। दूसरी ओर, अमेरिका की कार्रवाई से ईरान को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। पेंटागन के अनुमान के मुताबिक, खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी नाकेबंदी के कारण ईरान को लगभग 5 अरब डॉलर के तेल राजस्व का नुकसान हुआ है। यह नाकेबंदी खासतौर पर गल्फ ऑफ ओमान और आसपास के समुद्री रास्तों में लागू की गई है, जिससे ईरान के तेल निर्यात पर असर पड़ा है। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है। यहां किसी भी तरह का तनाव वैश्विक तेल सप्लाई और कीमतों को सीधे प्रभावित कर सकता है। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच रहा है। सैन्य गतिविधियां और बयानबाजी स्थिति को और बिगाड़ सकते हैं। अगर हालात नहीं सुधरे, तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और तेल बाजार पर पड़ सकता है।

बंगाल मतगणना : 4 को ...

के अनुसार, पुलिस पर्यवेक्षक सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करेंगे। हालांकि, वे किसी भी परिस्थिति में मतगणना के दिन मतगणना हॉल में प्रवेश नहीं करेंगे। इन पर्यवेक्षकों की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 324 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत आयोग को प्राप्त शक्तियों के तहत की गई है। वे आयोग के सीधे पर्यवेक्षण में कार्य करेंगे। आयोग ने मतगणना केंद्रों पर सख्त पहुंच नियंत्रण उपायों की भी घोषणा की है। प्रवेश केवल ईसीआईनेट प्रणाली के माध्यम से जारी क्यूआर कोड-आधारित फोटो पहचान पत्रों के आधार पर होगा। आयोग ने एक अन्य महत्वपूर्ण निर्देश में मतगणना हॉल के अंदर मोबाइल फोन ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मतगणना पर्यवेक्षक और रिटर्निंग अधिकारी को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, कंट्रोल यूनिट से परिणाम दर्ज करने वाला फॉर्म 17सी-टू मतगणना एजेंटों की उपस्थिति में तैयार किया जाएगा। इसे हस्ताक्षर के लिए एजेंटों के साथ साझा भी किया जाएगा। माइक्रो-पर्यवेक्षक क्रॉस-सत्यापन के लिए प्रत्येक तालिका में परिणामों को स्वतंत्र रूप से दर्ज करेंगे। आयोग ने कहा कि पुलिस और मतगणना पर्यवेक्षक चुनाव मशीनरी के साथ मिलकर काम करेंगे। उनका उद्देश्य मतगणना प्रक्रिया का सुचारु संचालन सुनिश्चित करना है। यह समन्वय निष्पक्ष और त्रुटिरहित मतगणना के लिए आवश्यक है।

एलपीजी सिलेंडरों की ...

वहीं, अबतक 2,922 से अधिक भारतीय नाविकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी हुई हैं, इनमें पिछले 24 घंटों में खाड़ी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से सुरक्षित स्वदेश वापसी करने वाले 30 नाविक भी शामिल हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति को ध्यान में रखते हुए पेट्रोलियम उत्पादों और एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे उपायों के बारे में बताते हुए कहा कि नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी करने से बचें क्योंकि सरकार पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मंत्रालय ने कहा कि अफवाहों से सावधान रहें और सही जानकारी के लिए आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें। एलपीजी उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे डिजिटल बुकिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और वितरकों के पास जाने से बचें। नागरिकों को वैकल्पिक ईंधन जैसे कि पीएनजी और इलेक्ट्रिक या इंडक्शन कुकटॉप का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के बावजूद यह सुनिश्चित किया है कि घरेलू एलपीजी, घरेलू पीएनजी और सीएनजी (परिवहन) की 100 फीसदी आपूर्ति की जा रही है। सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी के लिए, अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा फार्मा, इस्पात, ऑटोमोबाइल, बीज, कृषि आदि क्षेत्रों को भी प्राथमिकता दी गई है। मंत्रालय ने बताया कि प्रवासी श्रमिकों को 5 किलोग्राम एफटीएल की आपूर्ति 2 और 3 मार्च 2026 को औसत दैनिक आपूर्ति के आधार पर दोगुनी कर दी गई है। सरकार ने आपूर्ति और मांग दोनों पक्षों पर कई युक्तियुक्त उपाय पहले ही लागू कर दिए हैं, जिनमें रिफाइनरी की उत्पादन क्षमता बढ़ाना, शहरी क्षेत्रों में बुकिंग अंतराल को 21 से बढ़ाकर 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन तक करना और आपूर्ति के लिए क्षेत्रों को प्राथमिकता देना शामिल है। ऐसे में सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे वर्तमान स्थिति में अपने दैनिक उपयोग में ऊर्जा संरक्षण के लिए आवश्यक प्रयास करें।

भारत-बांग्लादेश व्यापार...

से अक्सर बड़ी मात्रा में पत्थर, कोयला और लकड़ी का आवागमन होता है। इस संबंध में व्यापारियों का कहना है कि कुछ उत्पादों का आयात-निर्यात लंबे समय से बंद है, जिससे कारोबार प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा सड़क ढांचे में सुधार, बैंकिंग लेन-देन में आ रही दिक्कतें और बंद पड़ी रेल सेवा को दोबारा शुरू करने की मांग भी की गई। सभी समस्याओं को सुनने के बाद सहायक उच्चायुक्त मनोज कुमार ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच मजबूत और मित्रतापूर्ण संबंध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि व्यापार से जुड़ी समस्याओं को बातचीत के जरिए जल्द सुलझाने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने व्यापारियों को अपनी मांगें औपचारिक रूप से ईमेल के जरिए भेजने को भी कहा, ताकि सरकार स्तर पर उचित कार्रवाई की जा सके। इस पहल से सीमा व्यापार को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

दिल्ली में जज ने ...

सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। संबंधित व्यक्तियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। घटना से जुड़ी प्रासंगिक परिस्थितियों की भी जांच की जा रही है। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, अमन शर्मा 19 जून, 2021 को दिल्ली न्यायिक सेवा में शामिल हुए थे। उन्होंने सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे से 2018 में बीए एलएलबी पूरा किया था। अपने कार्यकाल में उन्होंने आपराधिक और सिविल मामलों को संभाला। उन्होंने न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी और सिविल जज के रूप में विभिन्न न्यायालयों में सेवा दी। 18 अक्टूबर, 2025 से अमन शर्मा ने कड़कड़डूमा कोर्ट में उत्तर-पूर्वी जिले के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव का प्रभार संभाला था।

कांग्रेस के गौरव से देवब्रत तक सभी नेता हारेंगे

जनता ने डॉ. हिमंत को दिया आशीर्वाद : पबित्र मार्घेरिटा

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्घेरिटा ने एग्जिट पोल के आंकड़ों को खारिज करने वाले विपक्ष पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस के सभी प्रमुख नेता चुनाव में हार का सामना करेंगे। उन्होंने कहा कि गौरव गोगोई से लेकर देवब्रत सैकिया तक कांग्रेस के सभी नेता हारेंगे। मार्घेरिटा ने आरोप लगाया कि विपक्ष वास्तविक जनमत को स्वीकार करने से बच रहा है और एग्जिट पोल को नकारकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि राज्य की जनता ने पूरे दिल से विकास की राजनीति का समर्थन किया है और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को आशीर्वाद दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि चुनाव परिणाम भी इसी जनसमर्थन को दर्शाएंगे। मार्घेरिटा ने विपक्षी दलों द्वारा एग्जिट पोल पर उठाए जा रहे सवालों को निराधार बताते हुए कहा कि जनता का भरोसा भाजपा के पक्ष में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

नगांव में मतगणना से पहले निषेधाज्ञा लागू

नगांव (हिंस)। असम के नगांव जिले में विधानसभा चुनाव 2026 की मतगणना के मद्देनजर जिला प्रशासन ने शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए धारा 163, बीएनएसएस के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। जिलाधिकारी देवाशीष शर्मा द्वारा जारी आदेश के अनुसार नगांव सरकारी बॉयज एचएस स्कूल, नगांव सरकारी गर्ल्स एचएस स्कूल तथा डॉसन एचएस एवं एमपी स्कूल के 100 मीटर के दायरे में पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस क्षेत्र को पैदल क्षेत्र घोषित किया गया है। आदेश में पटाखों के उपयोग और बिक्री पर निर्धारित सीमा से अधिक शोर वाले पटाखों पर रोक, हवाई पटाखों के उपयोग पर प्रतिबंध, बिना अनुमति विजय जुलूस निकालने तथा बिना अनुमति लाउडस्पीकर के उपयोग पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। साथ ही हथियार, आग्नेयास्त्र, विस्फोटक सामग्री और अन्य खतरनाक

उपकरणों के साथ घूमने पर भी रोक रहेगी। अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, न्यायालय और धार्मिक स्थलों के आसपास के 100 मीटर क्षेत्र को साइलेंस जोन घोषित करते हुए वहां पटाखों के उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। पेट्रोल पंप और अन्य संवेदनशील स्थलों के पास भी पटाखों के उपयोग पर रोक रहेगी। यह आदेश 30 अप्रैल से तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। चुनाव ड्यूटी में लगे प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस और अर्धसैनिक बलों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है।

जुबीन गर्ग हत्याकांड सिद्धार्थ शर्मा की जमानत याचिका पर फैसला चार को

गुवाहाटी (हिंस)। जुबीन गर्ग हत्या मामले में मुख्य आरोपी सिद्धार्थ शर्मा की जमानत याचिका पर विशेष न्यायाधीश की अदालत द्वारा 4 मई को फैसला सुनाया जाएगा। जमानत याचिका पर सुनवाई पूरा होने के बाद न्यायाधीश ने फैसले को 2 मई के लिए सुरक्षित रख लिया था। आज फिर से फैसले को 4 मई तक के लिए टाल दिया गया। उल्लेखनीय है कि मामले में चार्ज फ्रेमिंग को लेकर हुई सुनवाई का आज अंतिम दिन है। आज सभी आरोपी चार्ज फ्रेमिंग पर सुनवाई के दौरान दिए गए अपने पक्ष में दलीलों का लिखित प्रति न्यायालय में प्रस्तुत करेंगे। आज के बाद से न्यायालय में चार्ज फ्रेमिंग को लेकर कोई सुनवाई नहीं होगी। बीएनएसएस की धाराओं के तहत अगले दो माह के अंदर न्यायालय द्वारा फैसला सुनाया जाएगा। ज्ञात हो कि इस मामले के एक अन्य मुख्य आरोपी श्यामकानू महंत की जमानत याचिका 30 अप्रैल को खारिज की जा चुकी है। मामले की न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।

मणिपुर में हेरोइन की बड़ी बरामदगी सेनापति और इंफाल ईस्ट में दो गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस द्वारा चलाए गए मादक पदार्थ विरोधी अलग-अलग अभियानों में 700 ग्राम से अधिक संदिग्ध हेरोइन जब्त की गई है और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने आज बताया कि पहले अभियान में 1 मई को

सेनापति जिले के मराम थाना अंतर्गत कबिनाम क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने सैकुल बाजार निवासी 25 वर्षीय मैंगलेंथांग तुबोई को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 551 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई। इसके साथ ही एक चारपहिया वाहन और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। दूसरे मामले में इंफाल ईस्ट जिले के लमलाई थाना अंतर्गत खाबेइसोई स्थित साजिवा जेल रोड से पुलिस ने कैरंग खुमिडोक मायाई लेइकाई निवासी 28 वर्षीय मो. अनीश खान को गिरफ्तार किया। उसके पास से तीन साबुन के डिब्बों में छिपाकर रखी गई 154 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई। मामले की आगे की जांच के दौरान 1 मई को नोंगमेइबुंग नंबाम चुथेक स्थित थौनाओजाम दिलीप कुमार के आवास पर तलाशी अभियान चलाया गया, जहां से आठ अतिरिक्त साबुन के डिब्बों में भरी संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

मवेशी चोरी का भंडाफोड़, पांच आरोपी गिरफ्तार, पांच गायें बरामद

लखीमपुर (हिंस)। असम के लखीमपुर जिले में पुलिस ने मवेशी चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके कब्जे से चोरी की गई पांच गायों को बरामद किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, विशेष सूचना के आधार पर चाउलधोवा आउटपोस्ट की टीम ने शनिवार तड़के एक सुनियोजित अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान चोरी की गई गायों को सुरक्षित बरामद कर लिया गया और मामले में संलिप्त पांच व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुख्ता इनपुट मिलने के बाद तत्काल कार्रवाई की गई, जिससे आरोपियों को पकड़ने और मवेशियों को बरामद करने में सफलता मिली। बरामद की गई गायों को फिलहाल सुरक्षित रखा गया है और उन्हें उनके असली मालिकों को सौंपने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। साथ ही, मामले की गहन जांच जारी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस गिरोह में और कौन-कौन शामिल हो सकते हैं। पुलिस अधिकारियों ने दोहराया कि जिले में मवेशी चोरी पर रोक लगाने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

भाजपा काम के आधार पर नहीं जीत सकती *चोरी* से खुद को बचाना चाहती है : गौरव गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने विधानसभा चुनाव मतगणना से पहलेस्ट्रांग रूम की सुरक्षा को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आज विपक्षी दलों द्वारा आयोजित भोज में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में गोगोई ने दावा किया कि राज्य के कई स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं कोस्ट्रांग रूम के अंदर जाने की अनुमति दी जा रही है और वे मतदान के दौरान भी वहां मौजूद थे। उन्होंने कहा कि यह स्थिति लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है और चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने काम के आधार पर चुनाव

जीतने में सक्षम नहीं है और *चोरी के जरिए खुद को बचाने* की कोशिश कर रही है। गोगोई ने कहा कि विपक्षी दल लगातार इस मुद्दे को उठा रहे हैं। अन्य राज्यों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा किस्ट्रांग रूम की सुरक्षा में लगे कर्मियों की निष्पक्षता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं के खिलाफ किया जा रहा है, जबकि राज्य में नशे की समस्या गंभीर बनी हुई है। एग्जिट पोल को लेकर गोगोई ने उन्हें *टीआरपी आधारित* बताते हुए खारिज किया और कहा कि भय के माहौल के कारण कई मतदाता खुलकर अपनी राय व्यक्त नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा और उसके सहयोगी दलों के भीतर राजनीतिक बदलाव शुरू हो चुका है और लोग कांग्रेस की ओर रुख कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दिए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए गोगोई ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि असम के मुख्यमंत्री से जुड़े बयान देश की सर्वोच्च अदालत में इस तरह उठे, जिससे राज्य की छवि प्रभावित होती है।

हाथी के हमले में दो व्यक्ति की मौत

नगांव (हिंस)। जिले के कामपुर क्षेत्र में बीती रात जंगली हाथियों के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान संजय दास (38) के रूप में हुई है, जो दक्षिणजर चाय बागान क्षेत्र का निवासी था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना शुक्रवार देर रात करीब 1-30 बजे बरपथार सब-बीट के अंतर्गत भीतर कॉलोनी इलाके में हुई। बताया गया है कि दो हाथी धंसिला पहाड़ियों से भटककर रिहायशी इलाके में आ गए थे। इसी दौरान संजय दास सहित कुछ लोग हाथियों को भगाने की कोशिश कर रहे थे। उसी समय दूसरी दिशा से भी कुछ लोग हाथियों को खदेड़ रहे थे, जिससे हाथियों की गतिविधि की जानकारी संजय दास को नहीं हो सकी और वह उनके हमले का शिकार हो गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर जब तक पहुंची, तब तक संजय दास की मौत हो चुकी थी। घटना स्थल बरपानी आरक्षित वन क्षेत्र के बाहर बताया गया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। स्थानीय लोगों की ओर से इस घटना पर कोई विशेष प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, क्योंकि नगांव जिले में मानव-हाथी संघर्ष की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। दूसरी ओर ग्वालपाड़ा जिले के राक्षसिनी इलाके में जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में एक महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया की भोजन के तलाश में रिहायसी इलाके में जंगली हाथी का एक झुंड घुस आया था। झुंड से अकेले आए एक हाथी के चपेट में आने से एक महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतका महिला की पहचान सरस्वती सील के रूप में की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस और वन विभाग की टीम पहुंची।

कवरी बंधन पुस्तक का लोकार्पण एवं *सती राधिका शांति दिवस* का आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय इतिहास संकलन समिति, असम के तत्वावधान में तथा कामरूप महानगर समिति के सहयोग से असम की राजधानी गुवाहाटी के भरलुमुख स्थित आलोक भवन के संघसाधक मधुकर लिमए प्रेक्षागृह में शुक्रवार को *पुस्तक लोकार्पण समारोह* एवं *सती राधिका शांति दिवस* के उपलक्ष्य में एक विशेष व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। भारतीय इतिहास संकलन समिति, असम की ओर से शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि मां कामाख्या धाम देवालय के पूर्व दोलोई यदुनाथ शर्मा द्वारा रचित *कवरी बंधन* ग्रंथ का लोकार्पण उत्तर लखीमपुर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मुकुल चंद्र बोरा द्वारा किया गया। साथ ही, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं असम लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य डॉ. निरंजन कलिता ने *सती राधिका शांति दिवस की प्रासंगिकता* विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में असम साहित्य सभा के पूर्व उपाध्यक्ष कनक चंद्र शर्मा तथा कामाख्या देवालय के दोलोई कविन्द्र प्रसाद शर्मा

उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दो बाल कलाकारों, आराध्या बर्मन एवं आश्वास आयुस्मान द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण एवं दुर्गा स्तुति से हुआ। अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय महासचिव हेमंत धिंग मजूमदार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग डेढ़ सौ इतिहास प्रेमी एवं साहित्य अनुरागी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के संदर्भ में *पंच परिवर्तन* विषय पर विशेष प्रकाश डाला तथा वर्तमान समय में सामाजिक समरसता के उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में ऐतिहासिक चरित्र सती राधिका का उल्लेख किया। कार्यक्रम का संचालन कामरूप महानगर समिति की महिला टोली की सदस्या रोजी पाठक ने किया।

उमा छेत्री और जिंतिमोनी कलिता इंग्लैंड दौरे के लिए भारत ए टीम में शामिल

गुवाहाटी। असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि असम की अपनी खिलाड़ी, उमा छेत्री और जिंतिमोनी कलिता, को इंग्लैंड के आगामी दौरे के लिए भारत *ए* टीम में चुना गया है। दोनों खिलाड़ी एटरेट20 और वनडे सीरीज के लिए टीम का हिस्सा होंगी। टी20 मैच 20, 23 और 25 जून 2026 को खेले जाने हैं, जबकि वनडे सीरीज 28 जून को होगी, जिसके बाद 1 और 4 जुलाई 2026 को मैच होंगे। एसीए उमा छेत्री और जिंतिमोनी कलिता को इस शानदार उपलब्धि पर दिल से बधाई देता है और दौरे के लिए उन्हें सफलता की शुभकामनाएं देता है। उनका चयन इस क्षेत्र में क्रिकेट की बढ़ती ताकत का प्रमाण है और उभरते हुए क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

एग्जिट पोल *कॉपी-पेस्ट* हैं, इन पर भरोसा नहीं कर सकते : भूपेश बघेल

गुवाहाटी (हिंस)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने असम विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल पर सवाल उठाते हुए उन्हें अविश्वसनीय बताया है। उन्होंने कहा कि ऐसे पूर्वानुमान अक्सर सही साबित नहीं होते। गुवाहाटी में आयोजित विपक्षी दलों के एक भोज कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया। मतगणना से पहले पार्टी की तैयारियों को लेकर कांग्रेस उम्मीदवारों और नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जा रही है। इस बैठक में डीके शिवकुमार और राज्य नेतृत्व भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यह बैठक आगामी 4 मई को होने वाली मतगणना से पहले रणनीति तय करने के उद्देश्य से की जा रही है। एग्जिट पोल में भाजपा-नीत एनडीए को बढ़त दिखाए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भूपेश बघेल ने कहा कि ये आंकड़े पहले की तरह ही *कॉपी-पेस्ट* हैं और इन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में पुनर्मतदान के मुद्दे पर बघेल ने कहा कि विपक्षी दल शुरू से ही सतर्क रहे, जिसके कारण किसी भी तरह की कथित अनियमितताओं को रोका जा सका। उल्लेखनीय है कि असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों की मतगणना 4 मई को होगी।

कोकराझाड़ में पॉस्को, एनडीपीएस और साइबर फॉरेंसिक पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित

कोकराझाड़ (विभास)। कानूनी और खोजी प्रक्रियाओं को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से आज कोकराझाड़ में एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का मुख्य फोकस पॉस्को (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण), एनडीपीएस (नारकोटिक्स ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ) और साइबर फॉरेंसिक जैसे गंभीर विषयों पर रहा। इस विशेष कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों सहित जिले के विभिन्न जांच अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रशिक्षण का प्राथमिक उद्देश्य पुलिस बल के पेशेवर कौशल को बढ़ाना और मामलों को सुलझाने की क्षमता को और अधिक प्रभावी बनाना था। बच्चों से संबंधित संवेदनशील मामलों में संवेदनशीलता और कानूनी बारीकियों का पालन कैसे करें। ड्रग्स और नशीले पदार्थों की जब्ती और उससे जुड़ी कानूनी प्रक्रियाओं की सटीक जानकारी। डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित करने और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर केस को मजबूत करने की तकनीक। इस तरह के प्रशिक्षण से न केवल जांच की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि संवेदनशील और जटिल मामलों में दोषियों को सजा दिलाने की दर में भी बढ़ोतरी होगी। वरिष्ठ अधिकारी यह कार्यक्रम कानून प्रवर्तन के आधुनिकीकरण और अपराधियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

कामरूप में 100 दिवसीय क्षयमुक्त अभियान 5792 लोगों की जांच, 187 नए मरीज चिन्हित

रंगिया (विभास)। प्रधानमंत्री क्षय मुक्त भारत अभियान के तहत असम में 100 दिवसीय विशेष क्षयमुक्त अभियान चलाया जा रहा है, जिसका शुभारंभ 24 मार्च से हो चुका है। क्षय जैसे घातक रोग के खिलाफ कामरूप जिले के स्वास्थ्य विभाग ने भी कमर कस ली है। जिले के विभिन्न स्वास्थ्य खंडों में 21 *निश्चय शिविर* लगाए गए हैं, जहां मुफ्त एक्स-रे और अन्य परीक्षणों से क्षय के बीजाणुओं की जांच की जा रही है। अब तक 5792 लोगों की जांच हो चुकी है, जिसमें 187 नए क्षय रोगी चिन्हित होकर इलाज प्राप्त कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कामरूप के 40 गांवों को क्षय मुक्त घोषित किया जा चुका है। विभिन्न स्थानों पर सभाओं के माध्यम से जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। जिला अतिरिक्त आयुक्त नंदिता बरगोहाई, स्वास्थ्य सेवा संचालक डॉ. अजित दास, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपक दास और बीपीएम स्मृता सैकिया ने अभियान के सफल कार्यान्वयन का आह्वान किया है। जिला क्षय अधिकारी डॉ. राजीव बरबरुवा ने भरोसा जताया कि सभी के सहयोग से क्षयमुक्त कामरूप का सपना साकार होगा।

उदालगुड़ी में शव बरामद होने से फैली सनसनी

उदालगुड़ी (हिंस)। उदालगुड़ी-कलाइगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत सरुबेंगेरा इलाके में एक शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आज बताया कि शव सड़क के समीप स्थित जंगल से शुक्रवार की शाम को बरामद किया गया। स्थानीय लोगों ने शव को देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद उदालगुड़ी और कलाइगांव थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। मृतक एक अज्ञात पुरुष बताया जा रहा है, जो शर्ट और जींस पहने हुए था। शव के पास से 26 अप्रैल का केरल से गुवाहाटी आने वाली ट्रेन का टिकट भी बरामद किया गया है। अंतिम सुचना मिलने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

एसएसबी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री के साथ तीन गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। 31 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), गोसाईगांव ने सीमा सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी सफलता हासिल की है। शनिवार, 02 मई 2026 को सीमा चौकी जमद्वार के अंतर्गत चौधरी घाट क्षेत्र में एसएसबी और सराइबिल पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया। इनके पास से हथियार और अन्य सामग्री बरामद की गई है। गुप्त सूचना पर हुई कार्रवाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एसएसबी को क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की गोपनीय सूचना मिली थी। सूचना की गंभीरता को देखते हुए 31 वाहिनी एसएसबी के उप कमांडेंट श्री प्रणव शुक्ला के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इस टीम ने गोसाईगांव थाना के अधीन सराइबिल पुलिस पोस्ट के कर्मियों के साथ मिलकर चौधरी घाट क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान शुरू

किया। हथियार और संदिग्ध गिरफ्तार। तलाशी के दौरान टीम ने तीन व्यक्तियों ब्रिंदा नार्जारी, रिपन नार्जारी और एक महिला को संदिग्ध अवस्था में पाया। घेराबंदी कर जब उनकी तलाशी ली गई, तो उनके पास से निम्नलिखित सामग्रियां बरामद हुईं। एक देसी अग्न्यास्त्र, मोबाइल फोन व अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद किए गए। बल द्वारा बरामद सामान को तुरंत जब्त कर लिया गया और तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया। फिलहाल कानूनी प्रक्रिया जारी है। अभियान की सफलता पर जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। फिलहाल पुलिस प्रशासन मामले की गहनता से जांच कर रहा है ताकि इनके अन्य संपर्कों और मंसूबों का पता लगाया जा सके। 31 वाहिनी एसएसबी के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति, सुरक्षा और भाईचारा बनाए रखने के लिए इस तरह के संयुक्त अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे। स्थानीय पुलिस और एसएसबी का यह समन्वय अपराधियों और राष्ट्रविरोधी तत्वों के विरुद्ध एक कड़ा संदेश है।

संपादकीय

ट्रंप का 'तूफान' क्या है?

राष्ट्रपति ट्रंप अब भी युद्धोन्मादी हैं। ईरान को 'कब्रिस्तान-सा' बनाने के बावजूद उनका दिल नहीं पसीजा है। उन्होंने अब भी किसी 'तूफान' के आने की धमकी दी है और दावा किया है कि उस तूफान को कोई रोक नहीं सकेगा। क्या ट्रंप अब ईरान पर परमाणु हमला भी कर सकते हैं? अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख ने ईरान में परमाणु स्थितियों पर चिंता जताई है और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के दुरुपयोग की आशंका भी व्यक्त की है। हालांकि हम किसी परमाणु दुर्घटना की संभावना को नहीं मानते, क्योंकि रूस के राष्ट्रपति पुतिन करीब 90 मिनट की बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप को सचेत कर चुके हैं कि अब हमले के अंजाम बहुत बुरे और गंभीर होंगे। चीन भी ऐसे बयान दे चुका है और इसी माह ट्रंप का चीन जाना प्रस्तावित है। बीती 28 फरवरी से जो विनाशकारी हमले ईरान पर किए गए हैं, बीच-बीच में युद्धविराम के 'नाटक' भी खेले गए हैं, तेल-गैस-खाद आदि की आवाजाही इस कदर बाधित हुई है कि दुनिया में 'महामंदी' के संकट फैलने लगे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी महामंदी के आसार की चेतावनी दी है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 2 फीसदी से भी कम होने के संकेत मिल रहे हैं। यदि दुनिया में ऊर्जा-संकट, सप्लाई चेन का अवरुद्ध होना, खाद्य-संकट यूं ही जारी रहे, तो भुखमरी के हालात भी पुख्ता हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय कारोबार भी बैठ सकता है। खुद अमरीका के पेंटागन की रपट है कि अभी तक ईरान युद्ध पर 25 अरब डॉलर खर्च किए जा चुके हैं। यह राशि अधिक भी हो सकती है। पेंटागन ने 1.5 ट्रिलियन डॉलर के अतिरिक्त बजट की मांग संसद से की है, लेकिन अमरीकी संसद राष्ट्रपति ट्रंप से पूछ रही है कि जब 2025 के हमले में ईरान के परमाणु एवं यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को तबाह कर दिया गया था, तो फिर यह युद्ध क्यों किया गया? राष्ट्रपति उसी परमाणु कार्यक्रम के नए सिरे से बात क्यों कर रहे हैं? क्या ईरान का यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम आज भी जारी है? अब सैनिक और युद्धपोत मध्य-पूर्व के क्षेत्रों में क्यों मौजूद हैं? क्या अमरीकी संसद राष्ट्रपति ट्रंप को बाध्य कर सकती है कि वह सैनिकों की वापसी का आदेश दें? युद्ध पर 25 अरब डॉलर नासा के खर्च के बराबर है, जिसे ट्रंप की सामंतवादी सोच ने यूं ही फूंक दिया। कैबिनेट में उपराष्ट्रपति वेंस शुरू से ही युद्ध-विरोधी थे, लेकिन अब उनका युद्ध मंत्री हेगसेथ के साथ विवाद बढ़ गया है। उपराष्ट्रपति का गंभीर आरोप है कि युद्ध मंत्री राष्ट्रपति ट्रंप को गलत ब्रीफ कर रहे हैं, लिहाजा ईरान से अभी तक अमरीका जीत नहीं पाया है। उपराष्ट्रपति का आग्रह है कि अब युद्ध को स्थायी विराम दिया जाना चाहिए। इस तरह युद्ध के मुद्दे पर ट्रंप कैबिनेट विभाजित है और राष्ट्रपति 'तूफान' की धमकियां दे रहे हैं! पेंटागन भी राष्ट्रपति को गलत सूचनाएं दे रहा है। हकीकत यह है कि अमरीकी मिसाइलों, ड्रोन, थाड, पैट्रियट आदि वायु रक्षा प्रणालियों और अन्य हथियारों के भंडार काफी कम हो चुके हैं। रणनीतिक तौर पर यह अमरीका के लिए खतरनाक स्थिति है। हथियारों के पर्याप्त भंडारण के लिए अपेक्षित उत्पादन में 3-5 साल का वक्त भी लग सकता है। फिर भी ट्रंप और पेंटागन की ओर से बयान दिए जा रहे हैं कि अब जो हमला अमरीका करेगा, उससे ईरान के बिजली संयंत्र, पुल, जल संयंत्र आदि तबाह कर दिए जाएंगे। सवाल है कि क्या अब भी राष्ट्रपति ट्रंप को युद्ध जारी रखने की अनुमति संसद देगी अथवा चौतरफा दबावों के मद्देनजर ट्रंप एकतरफा जीत की घोषणा करेंगे और युद्ध समाप्त होने लगेगा? क्या ईरान अमरीका को ऐसा करने देगा? सुप्रीम लीडर और आईआरजीसी के कमांडर भी अमरीका को धमका रहे हैं कि अमरीकी सैनिकों और जहाजों को आग लगा कर समंदर में डुबो दिया जाएगा। ईरान ने कुछ नए हथियार बनाए हैं या रूस से आयातित हैं, जिनका इस्तेमाल अब ईरान अमरीकी सैनिकों, जहाजों पर करेगा। ईरान के हालात बहुत बुरे आर्थिक और कारोबारी हालात हैं। रोजी-रोटी भी मयस्सर नहीं है। आशंका है कि एक बार फिर वहां की जनता बगावत कर सड़कों पर उतर सकती है। हमारा आकलन ऐसा नहीं है, क्योंकि 'तूफान' में ईरानी लामबंद रहते हैं। इस युद्ध का खामियाजा भारत समेत कई देशों को भुगतना पड़ रहा है। भारत में एक माह को कमर्शियल गैस के सिलेंडरों के दाम में बढ़ोतरी हो गई। शुक्रवार को खबर आ गई कि कमर्शियल गैस के रेट बढ़ गए हैं। इसके कारण होटलों व ढाबों में भोजन के दाम भी बढ़ गए हैं।

हम किसी परमाणु दुर्घटना की संभावना को नहीं मानते, क्योंकि रूस के राष्ट्रपति पुतिन करीब 90 मिनट की बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप को सचेत कर चुके हैं कि अब हमले के अंजाम बहुत बुरे और गंभीर होंगे। चीन भी ऐसे बयान दे चुका है और इसी माह ट्रंप का चीन जाना प्रस्तावित है। बीती 28 फरवरी से जो विनाशकारी हमले ईरान पर किए गए हैं, बीच-बीच में युद्धविराम के 'नाटक' भी खेले गए हैं, तेल-गैस-खाद आदि की आवाजाही इस कदर बाधित हुई है कि दुनिया में 'महामंदी' के संकट फैलने लगे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी महामंदी के आसार की चेतावनी दी है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 2 फीसदी से भी कम होने के संकेत मिल रहे हैं। यदि दुनिया में ऊर्जा-संकट, सप्लाई चेन का अवरुद्ध होना, खाद्य-संकट यूं ही जारी रहे, तो भुखमरी के हालात भी पुख्ता हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय कारोबार भी बैठ सकता है। खुद अमरीका के पेंटागन की रपट है कि अभी तक ईरान युद्ध पर 25 अरब डॉलर खर्च किए जा चुके हैं। यह राशि अधिक भी हो सकती है।

चिकित्सा अब सेवा न रहकर व्यवसाय का कठोर रूप एवं एक त्रासदी बनती जा रही है

आईसीयू के अमानवीय एवं अनैतिक पक्षों की निगरानी जरूरी

देश में स्वास्थ्य सेवा की वर्तमान स्थिति पर विचार करते समय एक अत्यंत चिंताजनक, मानवीय और संवेदनशील प्रश्न सामने आता है-क्या चिकित्सा अब सेवा न रहकर व्यवसाय का कठोर रूप एवं एक त्रासदी बनती जा रही है? विशेष रूप से निजी अस्पतालों के आईसीयू (गहन चिकित्सा कक्ष) से जुड़े मामलों ने इस प्रश्न को और अधिक तीखा बना दिया है। ऐसे अनेक उदाहरण सामने आए हैं, जहां मरीज के चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो जाने के बावजूद उसे आईसीयू में रोके रखा जाता है। इसके पीछे का कारण अक्सर चिकित्सा की अनिवार्यता नहीं, बल्कि आर्थिक लाभ की निरंतर चलती प्रक्रिया होती है। यह स्थिति न केवल चिकित्सा के नैतिकता एवं सेवाभावना पर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि मानवता की मूल संवेदनाओं को भी झकझोरती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आईसीयू के लिए एकसमान दिशानिर्देशों की आवश्यकता पर बल देना इस गंभीर समस्या की स्वीकारोक्ति भी है और समाधान की दिशा में एक सार्थक पहल भी। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जो मरीज चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके हैं या जिन्हें गहन निगरानी अथवा जीवन रक्षक उपकरणों की आवश्यकता नहीं है, उन्हें अनावश्यक रूप से आईसीयू में नहीं रखा जाना चाहिए। यह निर्देश केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे नैतिक आधार पर टिका हुआ है। यह हमें याद दिलाता है कि चिकित्सा का मूल उद्देश्य जीवन की रक्षा और पीड़ा का निवारण है, न कि आर्थिक लाभ का अधिकतमकरण। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। निश्चित तौर पर आधुनिक चिकित्सा खर्चीली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था में सेवा का भाव न होकर व्यवसाय की भावना का अधिक होना चिन्ताजनक है। इसी के कारण इसमें अनेक विसंगतियां एवं क्रूरताएं व्याप्त होती जा रही है, इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। वास्तव में आईसीयू एक विशेष सुविधा है, जिसका उपयोग केवल उन मरीजों के लिए होना चाहिए जिनकी स्थिति गंभीर हो और जिन्हें निरंतर निगरानी या अत्याधुनिक उपकरणों की आवश्यकता हो। किंतु जब इस सुविधा का उपयोग लाभ कमाने के साधन के रूप में होने लगे, तब यह व्यवस्था एक प्रकार की अमानवीयता में परिवर्तित हो जाती है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए आईसीयू का खर्च अक्सर असहनीय होता है। एक दिन का खर्च हजारों से लेकर लाखों तक पहुंच सकता है। ऐसे में यदि मरीज को अनावश्यक रूप से वहां रोका जाता है, तो यह केवल आर्थिक शोषण नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक उत्पीड़न भी है। यह स्थिति इसलिए भी जटिल हो जाती है क्योंकि आमजन को चिकित्सा प्रक्रियाओं की गहन जानकारी नहीं होती। मरीज के परिजन डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के निर्देशों पर पूरी तरह निर्भर होते हैं। इस निर्भरता का दुरुपयोग तब होता है जब पारदर्शिता का अभाव होता है। कई बार मरीज को वास्तविक स्थिति से अवगत नहीं कराया जाता और उसे आईसीयू में बनाए रखने के निर्णय को अंतिम सत्य की तरह प्रस्तुत कर दिया जाता है। इस प्रकार एक अस्पष्टता का वातावरण बनता है, जिसमें सत्य और लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है। यदि हम इस समस्या की जड़ में जाएं, तो पाएंगे कि यह केवल अस्पतालों या डॉक्टरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक व्यवस्थागत विफलता का परिणाम है। आजादी के बाद शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सरकार के अधीन रखकर यह अपेक्षा की गई थी कि ये क्षेत्र जनसेवा के आदर्श उदाहरण बनेंगे। किंतु समय के साथ आर्थिक उदारीकरण और निजीकरण के प्रभाव ने इन क्षेत्रों की दिशा बदल दी। शिक्षा जहां एक महंगा व्यवसाय बन गई, वहीं चिकित्सा सेवा भी धीरे-धीरे लाभ कमाने का माध्यम बनती चली गई। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि आज चिकित्सा क्षेत्र में एक प्रकार की "व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा" चल रही है, जिसमें मरीज एक ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। बड़े-बड़े निजी अस्पताल आधुनिक सुविधाओं से लैस होकर तेजी से बढ़ रहे हैं, जो एक दृष्टि से सकारात्मक है, लेकिन जब इन सुविधाओं का उपयोग केवल आर्थिक लाभ के लिए होने लगे, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। अस्पतालों की संख्या बढ़ना अच्छा है, लेकिन उनकी कार्यप्रणाली में लोभ की प्रवृत्ति का बढ़ना जहां गहन घातक है, वही उसमें मानवीय संवेदना और नैतिकता का समावेश होना अधिक आवश्यक है। इसी संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देश एक आशा की किरण के रूप में सामने आते हैं। इन दिशानिर्देशों में न केवल मरीजों के अधिकारों की रक्षा की बात की गई है, बल्कि अस्पतालों की जवाबदेही भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। नर्स और मरीज के अनुपात, विशेषज्ञों की उपलब्धता, बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षण जैसे पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयास स्वास्थ्य सेवा को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और न्यायसंगत बनाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त कर सकता है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी नीति या दिशानिर्देश की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। भारत में अनेक बार देखा गया है कि अच्छे इरादों से बनाई गई योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह जाती हैं। यदि इन दिशानिर्देशों का पालन भी आधे-अधूरे मन से किया गया, तो यह प्रयास भी अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पाएगा। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, पर्याप्त वित्तीय संसाधन और मजबूत प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता होगी। साथ ही यह भी आवश्यक है कि इस पूरी प्रक्रिया में मानवीय दृष्टिकोण को केंद्र में रखा जाए। आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहना केवल आर्थिक बोझ नहीं, बल्कि मानसिक पीड़ा का भी कारण होता है। मरीज और उसके परिवार दोनों ही एक अनिश्चितता और भय के वातावरण में जीते हैं। ऐसे में यदि मरीज को उसकी वास्तविक आवश्यकता के अनुसार उचित वार्ड में स्थानांतरित किया जाता है, तो यह न केवल खर्च को कम करता है, बल्कि उसे मानसिक राहत भी प्रदान करता है। वर्ष 2047 तक एक विकसित और सशक्त भारत का सपना देखते हुए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था केवल तकनीकी रूप से उन्नत ही न हो, बल्कि नैतिक और मानवीय दृष्टि से भी समृद्ध हो। चिकित्सा सेवा का मूल स्वरूप करुणा, सेवा और संवेदना पर आधारित होना चाहिए। यदि यह आधार कमजोर हो जाता है, तो सारी आधुनिकता और प्रगति भी अधूरी रह जाती है। अंततः यह कहा जा सकता है कि आईसीयू से जुड़े दिशानिर्देश केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक नैतिक पुनर्जागरण का संकेत हैं। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करते हैं कि क्या हम वास्तव में एक ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं, जो मानवता के मूल्यों के अनुरूप हो। यदि इस दिशा में ठोस और ईमानदार प्रयास किए गए, तो निश्चित रूप से यह पहल भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और न्यायसंगत बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जो मरीज चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके हैं या जिन्हें गहन निगरानी अथवा जीवन रक्षक उपकरणों की आवश्यकता नहीं है, उन्हें अनावश्यक रूप से आईसीयू में नहीं रखा जाना चाहिए। यह निर्देश केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे नैतिक आधार पर टिका हुआ है। यह हमें याद दिलाता है कि चिकित्सा का मूल उद्देश्य जीवन की रक्षा और पीड़ा का निवारण है, न कि आर्थिक लाभ का अधिकतमकरण। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है।

कुछ अलग

एग्जिट पोल की खुशी

एक होता है एग्जिट पोल और एक होता है ढोल का पोल। कई बार यह दोनों किस्म का पोल खुशी भी देता है और कई बार खुशी-खुशी में गमी भी दे देता है। यह पोल ही कई बार पोल देता है। एग्जिट पोल सुनकर हम पटाखे फोड़ देते हैं और जब परिणाम आता है तो कई बार अपना माथा पीट लेते हैं। यही पोल का तिलिस्म है। एग्जिट पोल हमें खुशफहमी भी देता है और तनाव भी देता है। कई बार पोल सही निकल जाता है तो कई बार सारा अनुमान धरा का धरा रह जाता है। मिठाई के आदेश धरे के धरे रह जाते हैं। ढोल नगाड़े वापस भेजने पड़ते हैं। कुछ लोग एग्जिट पोल को ऐसे सुनते हैं जैसे वैद्य ने अभी-अभी नाड़ी देखकर कह दिया हो- 'घबराइए मत, सब सामान्य है।' और कुछ लोग उसे ऐसे देखते हैं जैसे पड़ोसी की नई मोटर- ऊपर से मुस्कुराते हुए, भीतर से जलते हुए। लोकतंत्र में एग्जिट पोल वही चीज है जो विवाह में पंडित का 'मुहूर्त बहुत शुभ है', आगे का हाल तो बाद में ही पता चलता है। एग्जिट पोल आते ही नेताओं के चेहरे पर वह चमक आ जाती है जो बरसों से बेरोजगार रिश्तेदार के चेहरे पर सरकारी नौकरी की अफवाह सुनकर आती है। जो कल तक जनता के बीच हाथ जोडकर घूम रहे थे, आज वही नेता अपनी ही जीत के स्वागत में गद्देदार सोफे पर बैठ जाते हैं। समर्थक ऐसे नाचते हैं जैसे जीत अभी मतगणना मशीन से निकलकर सीधे उनकी जेब में आने वाली हो। कुछ समाचार चैनल तो एग्जिट पोल को ऐसे परोसते हैं जैसे हलवाई गरमा-गरम जलेबी। समाचार वाचक की आवाज में इतनी मिठास होती है कि लगता है देश नहीं, उसकी खुद की बारात निकल रही है।

देश दुनीया से

तीर्थस्थलों के विकास में भेदभाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ससंदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में जहां तरक्की और घोषणाओं की बरसात हो रही है, वहीं देश के दूसरे प्रमुख हिंदू तीर्थ स्थल विकास की बाट जोह रहे हैं। मोदी का निर्वाचन क्षेत्र होने के कारण केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का पूरा जोर काशी तक सिमट कर रह गया है। यदि यह मान भी लिया जाए कि काशी हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ स्थल है, इसलिए इसके विकास की दरकार है, तो ऐसे में देश के प्रमुख राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अन्य तीर्थ स्थल विकास की दौड़ में काशी से काफी पीछे क्यों हैं। कारण साफ नजर आता है कि पीएम मोदी का संसदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में विकास की गंगा बह रही है, वहीं अन्य प्रमुख धार्मिक स्थल वाले जिले बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। वर्ष 2014 से मार्च 2025 तक काशी में विकास के तहत कुल 48459 करोड़ रुपए की लागत से 580 परियोजनाओं पर काम शुरू किया गया है। काशी के विकास की घोषणाओं की शुरुआत मोदी के पहली बार सांसद बनने के साथ ही शुरू हो गई थी। यह सिलसिला लगातार जारी है। हाल ही में पीएम मोदी ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान 6332 करोड़ रुपए की कुल 163 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें गंगा पर सिग्नेचर ब्रिज सबसे बड़ी परियोजना है, जिसकी लागत करीब 2464.46 करोड़ रुपए है। यह ब्रिज काशी की कनेक्टिविटी और ट्रैफिक व्यवस्था को नई दिशा देगा। प्रधानमंत्री के हाथों 1054.69 करोड़ रुपए की 50 परियोजनाओं का लोकार्पण और 5277.39 करोड़ की 113 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया।काशी के अलावा देश के अन्य प्रमुख तीर्थ स्थल वाले जिलों में विकास चींटी की रफ्तार से रेंग रहा है या फिर उसकी सुध नहीं ली जा रही है। काशी के अलावा देश के प्रमुख हिंदू तीर्थ स्थलों में आधारभूत सुविधाओं की बेहद कमी है। वैष्णो देवी के लिए प्रसिद्ध कटरा जिले में मूसलाधार बारिश के दौरान भूस्खलन की गंभीर समस्या है। जम्मू और कटरा के बीच सडक़ और रेल संपर्क अक्सर टूट जाता है। विशेष रूप से, 2025 की बाढ़ के बाद से ट्रेनों का रद्दीकरण और पुलों (जैसे कठुआ, ऊधमपुर के पास) को नुकसान ने यात्रा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका दिया है। कटरा में स्मार्ट सडक़ों, सुव्यवस्थित पार्किंग, और आधुनिक बुनियादी ढांचे की कमी है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को संभालने के लिए मौजूदा सुविधाएं नाकाफी हैं। बढ़ती भीड़ के कारण गर्मियों में पेयजल और निरंतर बिजली आपूर्ति की समस्या बनी रहती है। लगातार निर्माण, वनों की कटाई और भीड़भाड़ के कारण पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। राम मंदिर के विख्यात अयोध्या में बाल विकास विभाग की एक रिपोर्ट ने जिले में कुपोषण की चिंताजनक स्थिति उजागर की है। जिले के 2381 आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत 228018 बच्चों की जांच में 7520 बच्चे कुपोषित पाए गए हैं। इनमें 1199 बच्चे अति कुपोषित (सैम) और 6321 बच्चे मध्यम गंभीर कुपोषित (मैम) श्रेणी में हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 264 और 2024-25 में 286 अति कुपोषित बच्चों को पुनर्वास केंद्र भेजा गया। विकास परियोजनाओं के कारण हजारों लोग, विशेषकर छोटे व्यापारी और गरीब, अपने पुश्तैनी आवासों और व्यवसायों से विस्थापित हो गए हैं। परियोजनाओं के कारण उडने वाली धूल और निर्माण सामग्री से स्थानीय लोगों को सांस संबंधी बीमारियां हो रही हैं। जल भराव और सीवर के गंदे पानी के घरों में घुसने की समस्या से लोग लंबे समय से परेशान हैं। पुरानी अयोध्या (फैजाबाद) और अयोध्या धाम के बीच आवागमन में मुश्किल हो रही है। देश के 12 ज्योतिर्लिंग में शामिल केदारनाथ के रुद्रप्रयाग जिले के कई सुदूरवर्ती गांव अभी भी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव से जूझ रहे हैं, जहां आपदा प्रभावित क्षेत्रों में संपर्क मार्ग बाधित होने और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण लोगों को स्वास्थ्य उपचार के लिए भटकना पड़ता है। भारी बारिश के कारण संपर्क मार्ग बाधित होना भी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में एक बड़ी बाधा है। जिले भर में लगभग 25 जल स्रोत सूख चुके हैं, जिससे पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई है। पानी की कमी से नाराज लोग जल संस्थान के खिलाफ प्रदर्शन कर चुके हैं। इसी तरह उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, धार्मिक पर्यटन के दबाव और प्रशासनिक चुनौतियां मौजूद हैं। नालों और सार्वजनिक भूमि पर अवैध निर्माण के कारण जल निकासी बाधित हो रही है। मानसून से पहले नालों पर अतिक्रमण के कारण जलभराव का खतरा बना रहता है। हरकी पौड़ी और आसपास के क्षेत्रों में भिक्षावृत्ति एक बड़ी समस्या है। चारधाम यात्रा के सुचारू न रहने या व्यवस्थाओं के कारण स्थानीय होटलों और पर्यटन व्यवसाय पर भी असर पड़ रहा है। कृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में 30000 करोड़ रुपए से अधिक की ब्रज मास्टर प्लान परियोजनाओं और नई आवासीय योजनाओं के लिए 850 करोड़ रुपए के बावजूद, कई विकास कार्य फाइलों में अटके हैं। वर्ष 2026-2030 के मास्टर प्लान के अंतर्गत शहर को हाई-स्पीड कनेक्टिविटी और आधुनिक सुविधाओं से जोडने का विजन है, लेकिन प्रशासनिक प्रक्रियाओं के चलते जमीनी स्तर पर गति धीमी है। मथुरा-वृंदावन में वर्षभर धार्मिक आयोजनों की लंबी श्रृंखला चलती रहती है। प्रमुख आयोजनों में होलिकोत्सव, मुडिया मेला, जन्माष्टमी, राधाष्टमी, झूलन उत्सव, कार्तिक मास, गोवर्धन पूजा और ब्रज की विभिन्न परिक्रमाएं शामिल हैं। आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या 8 से 10 लाख तक पहुंच जाती है।

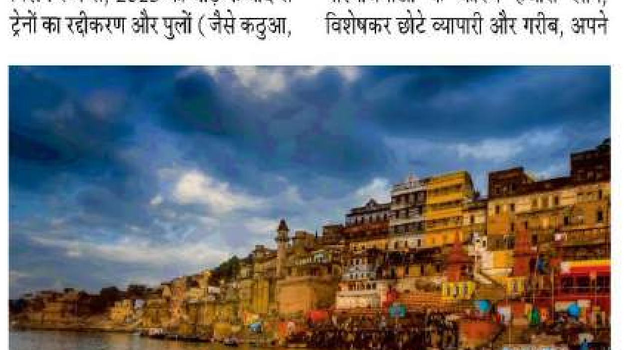

आप का नजरीया

कांग्रेस का प्रतिज्ञा पत्र

कांगड़ा की कार्यशाला में कांग्रेस कितनी निपुण तथा जिला अध्यक्ष कितने स्वतंत्र हो पाते हैं, यह आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में प्रदर्शित होगा। पंजाब, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल के 62 जिलाध्यक्षों को गुरुमंत्र देकर राहुल गांधी ने जो आदर्शवाद खड़ा किया है, क्या उसे दिल से कबूल करने के लिए पार्टी के बड़े नेता तैयार हैं। संगठन से चुनाव के बूथ तक कांग्रेस की मुश्किलों का मुकाबला भाजपा जैसी पार्टी से है, जहां हर दिन का रणनीतिक उद्घोष तैयार रहता है तथा पन्ना प्रमुख की ताजपोशियों में चुनाव की रिहर्सल के बही खाते तैयार रहते हैं। दरअसल कार्यकर्ताओं के बजाय नेताओं के वजन से कांग्रेस पार्टी का वजूद जमीनी स्तर का अवलोकन नहीं कर पाता है। आश्चर्य तब होता है जब पार्टी के विजयी विधायक या मंत्रियों के अधिकार वीआईपी हो जाते हैं और राजनीतिक संगत में मंच घूरने लगते हैं। बेशक राहुल गांधी ने सफलता के अध्यायों पर प्रतिज्ञा पत्र तैयार किया, लेकिन पार्टी को चौबीस घंटे की मेहनत के योग्य बनाने के लिए अपने तौर तरीके बदलने होंगे। जाहिर है कांगड़ा के संकल्प पंजाब, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में देखे जाएंगे। हिमाचल में स्थानीय निकाय चुनाव में अगर कार्यकर्ता को सम्मान मिलता है, तो पार्टी उत्तीर्ण होगी वरना आने वाले समय में विधानसभा चुनाव की तैयारी में भी इसका असर रहेगा। इसी तरह पंजाब विधानसभा चुनाव के चक्रव्यूह में कांग्रेस को अपना कद दिखाने के लिए गांव से खेत-खलिहान तक जाना होगा। जहां तक हिमाचल का प्रश्न है, सरकार की आर्थिक दिक्कतों को प्रदेश के जनमानस तक पहुंचाने के प्रयास अभी कारगर सिद्ध नहीं हुए हैं, जबकि विपक्षी भाजपा हर मोर्चे पर सरकार को घेरने की भरपूर कोशिश करती हुई दिखाई देती है। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल की कांग्रेस सरकार ने आर्थिक हकीकत के कई दर्पण खड़े करते हुए कई बड़े फैसले लिए और जिनकी जरूरत आने वाली हर सरकार को रहेगी। हिमाचल के आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता के रास्ते पर सुक्खू सरकार ने कुछ अहम, कुछ व्यवस्थागत फैसले लिए, लेकिन पार्टी स्तर पर जनता के सामने इनकी पेशकश सक्रिय रूप से दर्ज नहीं हुई। कई खामियां पूर्व सरकार के रवैये से उभर कर सामने आईं, लेकिन कांग्रेस कोई एक बड़ा मजमून या मुद्दा खड़ा नहीं कर पाई। ऐसे में कांगड़ा से निकली रणनीति क्या अपनी सरकार की प्रचार तंत्र बनेगी। अंततः देखना यह होगा कि राहुल गांधी के मंचीय संदेशों को कांग्रेस जमीनी स्तर पर कैसे अपनाती है। अगर राहुल गांधी निर्देश दे रहे हैं कि लोगों के बीच जाकर सत्तारूढ़ पार्टी समस्याओं का समाधान करे, तो सर्वप्रथम यह समझना पड़ेगा कि सरकार ने जिस शिद्दत और राजस्व विभाग की सक्रियता से हजारों इंतकाल जैसे मामले निपटाए हैं, उसकी भूमिका क्या है। सरकार के फैसलों की दरगाह अगर पार्टी कार्यकर्ता आम जनता के दिलों में बना पाती है, तो यहां से कांगड़ा की भावना का प्रसार होगा, वरना सारे आदर्श मंच पर ही ढह जाएंगे। बहरहाल स्थानीय निकाय चुनावों, खास तौर पर नगर निगम चुनावों में कांग्रेस को बतौर पार्टी चमत्कार करने की जरूरत है। धर्मशाला, पालमपुर, सोलन व मंडी में ये केवल निगम चुनाव नहीं, बल्कि कांग्रेस सरकार के प्रशासनिक मॉडल भी हैं। इस परिप्रेक्ष्य में पार्षदों के मार्फत पार्टी की नीतियां, दिशानिर्देश, जनता के बीच संपर्क, संवेदना तथा संभावना अगर परिलक्षित करनी है, तो कांगड़ा के मजमून आगे बढ़ाने होंगे। क्या राहुल गांधी ने संदेश की अनुगूंज इन चुनावों में सुनी जाएगी, यह देखना होगा।

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल के 62 जिलाध्यक्षों को गुरुमंत्र देकर राहुल गांधी ने जो आदर्शवाद खड़ा किया है, क्या उसे दिल से कबूल करने के लिए पार्टी के बड़े नेता तैयार हैं। संगठन से चुनाव के बूथ तक कांग्रेस की मुश्किलों का मुकाबला भाजपा जैसी पार्टी से है, जहां हर दिन का रणनीतिक उद्घोष तैयार रहता है तथा पन्ना प्रमुख की ताजपोशियों में चुनाव की रिहर्सल के बही खाते तैयार रहते हैं। दरअसल कार्यकर्ताओं के बजाय नेताओं के वजन से कांग्रेस पार्टी का वजूद जमीनी स्तर का अवलोकन नहीं कर पाता है। आश्चर्य तब होता है जब पार्टी के विजयी विधायक या मंत्रियों के अधिकार वीआईपी हो जाते हैं और राजनीतिक संगत में मंच घूरने लगते हैं। बेशक राहुल गांधी ने सफलता के अध्यायों पर प्रतिज्ञा पत्र तैयार किया, लेकिन पार्टी को चौबीस घंटे की मेहनत के योग्य बनाने के लिए अपने तौर तरीके बदलने होंगे। जाहिर है कांगड़ा के संकल्प पंजाब, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में देखे जाएंगे। हिमाचल में स्थानीय निकाय चुनाव में अगर कार्यकर्ता को सम्मान मिलता है, तो पार्टी उत्तीर्ण होगी वरना आने वाले समय में विधानसभा चुनाव की तैयारी में भी इसका असर रहेगा। इसी तरह पंजाब विधानसभा चुनाव के चक्रव्यूह में कांग्रेस को अपना कद दिखाने के लिए गांव से खेत-खलिहान तक जाना होगा। जहां तक हिमाचल का प्रश्न है, सरकार की आर्थिक दिक्कतों को प्रदेश के जनमानस तक पहुंचाने के प्रयास अभी कारगर सिद्ध नहीं हुए हैं, जबकि विपक्षी भाजपा हर मोर्चे पर सरकार को घेरने की भरपूर कोशिश करती हुई दिखाई देती है।

दृष्टि कोण

न्यूज़ रूम में 'कोड' का राजः क्या AI छीन लेगा खबरों की रूह?

दुनिया साल 2026 में खड़ी है, जहाँ तकनीक ने मानव सभ्यता के हर पहलू को अपनी चपेट में ले लिया है। भले ही आप इसे अच्छा कहें या बुरा , पर यह बात सच साबित हुई है । अब पत्रकारिता को ही ले लें ;जिसे कभी 'इंसानी जज्बे' और 'नैतिक साहस' का पेशा माना जाता था, आज एक बड़े संकट के मुहाने पर खड़ी है। वह संकट है;आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आज जब हम विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, तो सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि सत्ता पत्रकार को जेल भेज रही है या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि क्या भविष्य में 'पत्रकार' नाम की कोई प्रजाति बचेगी भी या नहीं ? एल्गोरिदम और 'कोड' के इस दौर में खबरों की 'रूह' गायब हो रही है और उसकी जगह ले ली है डेटा के निर्जीव पहाड़ों ने। मशीनी युग के इस संक्रमण काल में पत्रकारिता का पूरा अस्तित्व ही दांव पर लगा हुआ है। 2026 के चुनावी मौसम में हमने देखा कि तकनीक कैसे एक 'भस्मासुर' बन सकती है। डीपफेक तकनीक ने वह कर दिखाया जो कभी असंभव लगता था। किसी भी सम्मानित पत्रकार या राजनेता का चेहरा और आवाज चुराकर उससे कुछ भी कहलवाया जा सकता है। जनता के लिए अब यह पहचानना नामुमकिन हो गया है कि स्क्रीन पर दिख रहा व्यक्ति सच बोल रहा है या वह किसी सॉफ़्टवेयर की खुराफात है। जब 'सच' को इतनी आसानी से बदला जा सकता हो, तो प्रेस की आजादी का मतलब ही क्या रह जाता है? प्रेस की आजादी का आधार 'तथ्य' होते हैं, लेकिन AI ने तथ्यों को ही 'मशीनी खिलौना' बना दिया है। आज फेक न्यूज़ किसी व्हाट्सएप ग्रुप से नहीं, बल्कि हाई-टेक लैब्स से निकलती है, जिसे पकड़ पाना इंसान के बस की बात नहीं रही। यह तकनीक प्रेस की विश्वसनीयता को दीमक की तरह चाट रही है और सच की अर्थी पर तकनीक का यह जश्न लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत तो कतई नहीं है। भारत के बड़े मीडिया हाउस आज गर्व से कह रहे हैं कि वे AI का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन इसके पीछे का काला सच 'कॉस्ट कटिंग' और 'छंटनी' है। न्यूज़ रूम का यह 'सफेद हाथी' असल में ऑटोमेटेड जर्नलिज्म की अंधी दौड़ है। जो खबरें कभी एक पत्रकार अपनी संवेदनाओं और ज़मीनी समझ से लिखता था, अब वह काम 'लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स' (LLMs) कर रहे हैं। मौसम का हाल, खेल के नतीजे और शेयर बाजार की खबरें अब मशीनें लिख रही हैं। और कुछ चेनल्स पर तो ए आई A I जनित एंकर जो बिल्कुल ह्यूमन एंकर जैसे हैं; मौसम का हाल दर्शकों को बता भी रहे हैं। समस्या यहाँ यह नहीं है कि खबरें मशीन लिख रही हैं । समस्या यह है कि मशीन के पास 'विवेक' (Conscience) नहीं होता। मशीन को यह नहीं पता कि किसी खबर का समाज पर क्या असर होगा। वह केवल डेटा प्रोसेस करती है। यह बात हम सब भलीभाँति जानते और समझते हैं कि जब आप पत्रकारिता से मानवीय संवेदना को बाहर निकाल देते हैं, तो वह 'न्यूज़' नहीं रहती, वह केवल 'इन्फॉर्मेशन' बनकर रह जाती है। आज न्यूज़ रूम में पत्रकारों की जगह 'प्रॉम्प्ट इंजीनियर्स' ले रहे हैं, जिनका सरोकार जनता के दुख-दर्द से नहीं, बल्कि केवल क्लिक-थ्रू रेट (CTR) से है।भारतीय संस्कृति प्रेस की आजादी पर पहले हमला सरकारें करती थीं, अब 'एल्गोरिदम' करते हैं। गूगल, मेटा और एक्स (ट्विटर) के एल्गोरिदम आज तय करते हैं कि कौन सी खबर ट्रेंड करेगी और किसे 'सेंसिटिव' मानकर दबा दिया जाएगा। यह एक तरह की 'अदृश्य तानाशाही' है। यदि कोई स्वतंत्र पत्रकार किसी बड़े कॉर्पोरेट या शक्तिशाली नेता के खिलाफ रिपोर्ट लिखता है।

हड़ताल से सफाई कार्य ठप चुनाव बहिष्कार चेतावनी

सोनीपत (हिंस)। नगर पालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर सोनीपत, गोहाना और खरखौदा में सफाई कर्मचारियों व फायर ब्रिगेड कर्मियों की संयुक्त हड़ताल शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रही। हड़ताल के कारण कूड़ा उठान पूरी तरह बंद हो गया और शहरों में जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए, जिससे आमजन को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी होने तक हड़ताल जारी रहेगी। कर्मचारियों ने नगर निगम और नगर परिषद कार्यालयों के बाहर धरना देकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले न्यूनतम वेतन लागू करने पर सहमति दी थी, लेकिन अभी तक इसे लागू नहीं किया गया। कर्मचारियों की मुख्य मांग न्यूनतम वेतन तीस हजार रुपए तय करने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, ठेकेदारी प्रथा समाप्त करने और पुरानी पेंशन योजना लागू करने की है। कर्मचारियों का कहना है कि दिसंबर 2025 को हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद नियम लागू नहीं किए गए। उनका आरोप है कि कानूनी आदेशों की अनदेखी कर कर्मचारियों के अधिकार दबाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए की गई संदीप पाठक पर एफआईआर : सुनील जाखड़

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा है कि आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा दर्ज की जा रही एफआईआर से पार्टी डरने वाली नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये कार्रवाई मुख्यमंत्री भगवंत मान के विधानसभा में कथित रूप से नशे की हालत में पहुंचने के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए की जा रही है। शनिवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इससे भी बड़ी चिंता की बात यह है कि मुख्यमंत्री अपने विधायकों को भ्रष्टाचार करने की खुली छूट दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मुद्दे को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के समक्ष उठाएगी और जवाबदेही की मांग करेगी। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि जिन लोगों को कुछ समय पहले तक आप नेता सराहते थे, वही लोग अब भाजपा में शामिल होने के बाद निशाने पर हैं, जो *दोहरे मापदंड* का प्रमाण है। उन्होंने यह भी दावा किया कि जहां भाजपा सांसदों को परेशान किया जा रहा है, वहीं राज्य सरकार अपने ही एक ऐसे विधायक को पुलिस सुरक्षा दे रही है जिस पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं और जो जेल भी जा चुका है। आप के रुख में इस बदलाव पर सवाल उठाते हुए सुनील जाखड़ ने कहा कि जो लोग पहले वफादार माने जाते थे, वे पार्टी छोड़ते ही अचानक *बुरे* कैसे हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि इसका मकसद बाकी सदस्यों पर दबाव बनाना है ताकि वे पार्टी न छोड़ें। उन्होंने मुख्यमंत्री पर आरोप लगाया कि वे अपनी कुर्सी बचाने के लिए अपने ही विधायकों के खिलाफ कार्रवाई करने से समझौता कर रहे हैं, जबकि राजनीतिक विरोधियों को निशाना बना रहे हैं। जाखड़ ने दोहराया कि भाजपा अपने नेताओं के साथ मजबूती से खड़ी है और किसी भी तरह की *राजनीतिक बदले की कार्रवाई* का विरोध करेगी। उन्होंने अधिकारियों को भी चेतावनी दी कि वे इस तरह की कार्रवाई करते समय कानूनी दायरे से बाहर न जाएं। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता सब कुछ देख और समझ रही है और 2027 के चुनाव में जवाब देगी। जाखड़ ने दावा किया कि भाजपा के खिलाफ बनाया गया नैरेटिव अब टूट रहा है और लोग समझ चुके हैं कि राज्य की समस्याओं का समाधान भाजपा के मजबूत नेतृत्व के पास है।

चार मई पश्चिम बंगाल से ममता दीदी गई : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पश्चिम बंगाल में चार मई को आने वाले चुनाव नतीजों को लेकर ममता बनर्जी की सरकार जाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि कुर्सी जाने की छटपटाहट ने ममता बनर्जी की बेचैनी बढ़ा दी है। इसलिए ही वो चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर झूठे और अनर्गल आरोप लगा रही हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने राजधानी लखनऊ में शनिवार को पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने साफ कहा कि *चार मई ममता दीदी गई*। केशव ने कहा कि जिस तरह से वह (ममता बनर्जी) परेशान हैं और झूठे आरोप लगा रही हैं, उससे पता चलता है कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) बड़ी हार की ओर बढ़ रही है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बंगाल के नतीजे का बंगाल ही नहीं, पूरा देश चार मई का इंतजार कर रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पश्चिम बंगाल में 15 बूथों पर रीपोलिंग के सवाल पर कहा कि इलेक्शन कमीशन उन बूथों पर दोबारा से मतदान करा रहा है जहां तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) गुंडागर्दी में शामिल थी और डेमोक्रेसी की हत्या करने की कोशिश की थी। हम चुनाव आयोग के कदम का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें रिपोर्ट मिली है कि मतदान शांतिपूर्ण ढंग से हो रहा है। पंजाब सदन में मुख्यमंत्री के शराब पीकर जाने के सवाल पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ऐसा आरोप अगर सत्य है तो निश्चित ही यह पतन की ओर जाने वाला है। यह मामला बड़ा ही दुर्भाग्यपूर्ण है। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव के कुशीनगर मामले में राजनीति न करने वाले सवाल पर उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें मिर्ची लगी तो हम क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये जोड़ी हिट है, फिट है। 2027 का सपना तो छोड़िए, 2047 तक उनका उत्तर प्रदेश की सत्ता में सपा की वापसी का रास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं, महान चक्रवर्ती सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के वंश का प्रतिनिधि हूं और उनके आदर्शों से प्रेरित होकर अखंड भारत के निर्माण के लिए संकल्पित हूं। इसके साथ ही करुणावतार भगवान गौतम बुद्ध की विरासत से भी जुड़ा हूं जिन्होंने संसार को शांति, समता और न्याय का मार्ग दिखाया।

सरकारी स्कूल में पानी पीने के बाद 13 बच्चों की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

बाड़मेर (हिंस)। जिले के सनावड़ा मेघवालों की बस्ती स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब पानी पीने के बाद 13 बच्चों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। बच्चों के शरीर पर खुजली शुरू हो गई और जगह-जगह लाल निशान बनने लगे। स्थिति गंभीर होते देख स्कूल प्रशासन ने तत्काल सभी बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार शनिवार को स्कूल में *नो बैग* डे आयोजित किया गया था और छात्र-छात्राएं सामान्य गतिविधियों में शामिल थे। लंच से पहले अचानक एक बच्ची को तेज खुजली होने लगी, जिसके बाद उसके शरीर पर लाल चकत्ते उभर आए। स्कूल स्टाफ ने तुरंत परिजनों को सूचना देकर बच्ची को अस्पताल भिजवाया, लेकिन कुछ ही देर में तीन से चार अन्य बच्चों में भी इसी प्रकार के लक्षण दिखाई देने लगे। देखते ही देखते करीब 13 बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी, जिससे स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सभी बच्चों को पहले सनावड़ा अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए बाड़मेर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। एंबुलेंस के इमरजेंसी मेडिकल टेक्निशियन के अनुसार शनिवार सुबह बच्चों की हालत अचानक खराब हुई थी। बच्चों ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि पानी पीने के बाद उन्होंने स्कूल के बाहर बिकने वाली *चुस्की* भी खाई थी, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ी। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला भी सक्रिय हो गया। एडीएम राजेंद्र सिंह चांदावत सहित शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे तथा बच्चों की स्थिति का जायजा लिया। जिला शिक्षा अधिकारी देवाराम चौधरी ने बताया कि बच्चे घर से भोजन करके स्कूल आए थे। स्कूल में मिड-डे मील (पोषाहार) तैयार हो रहा था, लेकिन बच्चों की तबीयत उसके सेवन से पहले ही बिगड़ गई थी। ऐसे में फिलहाल पानी या बाहर खाई गई चुस्की को संभावित कारण मानते हुए जांच की जा रही है।

उप्र में जनगणना कार्य में लगभग 5.25 लाख अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लगाई गयी ड्यूटी : शीतल वर्मा

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश की मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी शीतल वर्मा ने बताया कि जनगणना 2027 का कार्य उत्तर प्रदेश राज्य में दो चरणों में किया जाएगा। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 22 मई से 20 जून के मध्य किया जाएगा। द्वितीय चरण- जनसंख्या गणना का कार्य फरवरी 2027 में संपादित होगा। इस कार्य में लगभग 5.25 लाख अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। शीतल वर्मा ने शनिवार को यहां कपूरथला स्थित उप्र राजकीय अभिलेखागार कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि जनगणना में भारत में निवासरत सभी व्यक्तियों की (नागरिक एवं गैर-नागरिक) की गणना की जाएगी। पहली बार देश में जनगणना का कार्य डिजिटली कराया जाएगा। इसमें स्व-गणना भी एक विकल्प रखा गया है। प्रथम चरण हेतु स्व-गणना कार्य के लिए राज्य में मकान सूचीकरण कार्य प्रारंभ होने के 15 दिन पूर्व की अवधि निर्धारित की गई है, जो कि 07 मई से 21 मई, 2026 तक होगी। स्व-गणना विकल्प के तहत

व्यक्ति अपनी जानकारी ऑनलाइन स्वयं भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्व-गणना प्रक्रिया में जानकारी भरने के पश्चात एसई आईडी जेनरेट होगा। 22 मई से 20 जून के दौरान प्रगणक के घर-घर आने पर उनके एसई आईडी साझा करना होगा। प्रगणक द्वारा पुष्टि के उपरांत ही मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य पूर्ण होगा। स्व-गणना ऐच्छिक है, अनिवार्य नहीं। प्रगणक, 22 मई से 20 जून, 2026 तक की अवधि में प्रत्येक घर जाकर जानकारी अवश्य दर्ज करेंगे। प्रगणक 22 मई से 20 जून, 2026 के मध्य घर-घर जाकर प्रत्येक मकान एवं उसमें निवासरत परिवारों से 33 प्रकार की जानकारी जुटाएंगे। यह जानकारी मकानों कि स्थिति, परिवारों को उपलब्ध सुविधाएं तथा परिसंपत्तियों से संबंधित है। गणना में लगे कर्मचारी इस जानकारी को मोबाइल एप पर सीधे अपलोड करेंगे। शीतल वर्मा ने बताया कि राज्य में इस कार्य हेतु लगभग 5.25 लाख अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसमें 18 मंडल जनगणना अधिकारी (मंडलायुक्त), 75 प्रमुख जनगणना अधिकारी (जिलाधिकारी), 17 अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी (नगर आयुक्त), 600 जिला स्तर के अधिकारी, 1195 चार्ज अधिकारी (तहसीलदार/अधिशासी अधिकारी इत्यादि), 285 मास्टर ट्रेनर्स, 6939 फील्ड ट्रेनर्स तथा अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों के अतिरिक्त लगभग पांच लाख प्रगणक/पर्यवेक्षक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में जनगणना 2027 का कार्य 75 जिले, 783 नगरीय निकाय एवं 350 तहसीलों के अंतर्गत 1.04 लाख ग्रामों में संपादित कराये जाएंगे। जनगणना कार्य संपादित करने के लिए राज्य में 350 ग्रामीण चार्ज एवं 845 नगरीय चार्ज हैं। इन चार्जों के अंतर्गत लगभग तीन लाख 90 हजार मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं। इन मकान सूचीकरण ब्लॉकों में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर मकान सूचीकरण का कार्य किया जाएगा। जनगणना 2027 कार्य के लिए जन सामान्य हेतु जनगणना से संबन्धित जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1855 शुरू किया गया है। शीतल वर्मा ने कहा कि जनगणना-2027 के सफल क्रियान्वयन में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मीडिया के माध्यम से सही एवं प्रमाणिक जानकारी का प्रसार, अफवाहों एवं भ्रामक समाचारों का खंडन, जनसहभागिता को प्रोत्साहन, स्व-गणना के प्रति जागरूकता सुनिश्चित की जा सकती है। मीडिया से अपेक्षा है कि वह इस राष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

दरगाह में महादेव मंदिर होने के दावा खादिमों ने लगाई पक्षकार बनने की अपील, अगली सुनवाई 6 को

अजमेर (हिंस)। अजमेर स्थित ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने के दावे वाली अपील के अदालत में विचाराधीन प्रकरण में शनिवार को सुनवाई के दौरान खादिमों ने पक्षकार होने की अपील पेश की। अदालत ने मामले में अगली सुनवाई 6 मई निर्धारित कर दी। खादिमों की संस्था अंजुमन के सचिव सरवर चिश्ती ने अदालत को बताया कि इस मामले में पहले पक्षकार वे हैं, लिहाजा पहले उन्हें सुना जाना चाहिए। वहीं अदालत के बाहर मीडिया से बात करते हुए चिश्ती ने कहा कि देश में जो माहौल चल रहा है उसे सब देख रहे हैं, कहीं मॉब लिंचिंग हो रही है तो कहीं बिल्डिंगें गिराई जा रही हैं, हर जगह दरगाह, मस्जिदों में महादेव दिखाई दे रहे हैं। सचिव सरवर चिश्ती ने बताया कि उनके वकीलों ने अदालत में बहस की, सुप्रीम कोर्ट के चार जजों की बेंच के निर्णय दस्तावेज भी पेश किए।

देश का लोकतंत्र आईसीयू में है, सजग नागरिक ही इसे बचा सकते हैं : प्रशांत

अजमेर(हिंस)। सुप्रसिद्ध कानूनविद एवं सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि देश में आज संसद,न्यायपालिका, चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं, प्रेस जैसी संविदानेत्तर संस्थाओं के साथ साथ देश का सम्पूर्ण लोकतंत्र ही कमोबेश आईसीयू में है। उन्होंने कहा भारत में लोकतंत्र का भविष्य तभी सुरक्षित रह सकता है जब देश की संवैधानिक संस्थाएं स्वतंत्र और निष्पक्ष बनी रहें तथा नागरिक अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग रहें। वे अजमेर स्थित अजयमेरू प्रेस क्लब के सभागार में प्रेस क्लब व पीयूसीएल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित *भारत में लोकतंत्र का भविष्य* विषयक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों, अधिवक्ताओं, पत्रकारों, शिक्षाविदों और युवाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। अपने उद्बोधन में प्रशांत भूषण ने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता, मीडिया की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों की सुरक्षा पर आधारित व्यवस्था है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि संस्थाओं पर दबाव बढ़ता है और असहमति की आवाजों को कमजोर किया जाता है तो लोकतंत्र की जड़ें प्रभावित होती हैं। उन्होंने युवाओं से संविधान की मूल भावना को समझने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि देश के नागरिकों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में सरकारें जनता के प्रति जवाबदेह होती हैं। यदि जनता सवाल पूछना बंद कर दे तो लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर पड़ जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वतंत्र मीडिया और मजबूत न्यायपालिका किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत होती है तथा इन संस्थाओं को निष्पक्ष बनाए रखना पूरे समाज की जिम्मेदारी है। संगोष्ठी के दौरान उपस्थित श्रोताओं ने भी प्रश्न पूछे और लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा संस्थाओं की भूमिका को लेकर चर्चा में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन पीयूसीएल के राज्य अध्यक्ष अनन्त भटनागर तथा प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष प्रताप सनकत द्वारा किया गया भटनागर द्वारा प्रशान्त भूषण के जीवन पर प्रकाश डाला गया। अंत में सभी वक्ताओं और उपस्थित नागरिकों का महासचिव चन्द्रप्रकाश कटारिया ने आभार व्यक्त किया । आरम्भ में प्रेस क्लब के अध्यक्ष डा. रमेश अग्रवाल नें विषय प्रवर्तन करते हुए आगन्तुकों का स्वागत किया। कार्यक्रम में पद्मश्री सीपी देवल, पूर्व जिला प्रमुख एडवोकेट सत्य किशोर सक्सेना, पूर्व विधायक डॉक्टर श्री गोपाल बाहेती, मनरेगा लोकपाल सुरेश सिंधी, पीयूसीएल की राष्ट्रीय अध्यक्ष कविता भटनागर सहित अनेक प्रमुख लोग मौजूद थे। क्लब की ओर से पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र गुंजल ने माल्यार्पण कर प्रशांत भूषण का अभिनन्दन किया ।

महिलाओं की आजीविका के लिए तकनीकी स्किल्स जरूरी : उपमुख्यमंत्री

जयपुर(हिंस)। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दीया कुमारी ने मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण कौशल की ट्रेनिंग दिए जाने के निर्देश। उन्होंने भविष्य में एआई की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए बालिकाओं और महिलाओं को कौशल विकास के प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एआई के इस दौर में तकनीकी प्रशिक्षण से ही महिलाओं की आजीविका सुनिश्चित हो सकती है। उन्होंने इस के लिए महिला अधिकारिता निदेशालय द्वारा गुणवत्ता पूर्ण तकनीक आधारित प्रशिक्षण दिए जाने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दीया कुमारी ने शनिवार शासन सचिवालय में उनकी अध्यक्षता में तथा महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार की उपस्थिति में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की आयोजित समीक्षा बैठक में उक्त निर्देश दिए। दीया कुमारी ने लाडो प्रोत्साहन योजना पर चर्चा कर, पात्र लाभार्थियों को समय पर लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ने काली बाई भील उ?ान योजना की समीक्षा करते हुए योजना का प्रभावी क्रियान्वयन करने के लिए आवश्यक उपाय किए जाने के निर्देश दिए। इसी के साथ उन्होंने शिक्षा सेतु योजना और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना और मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम योजना की भी समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं जैसे विद्युत, पेय जल और क्रियाशील शौचालय के

कार्यों में तीव्र प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य में आंगनबाड़ी केंद्रों पर आधारभूत सुविधाएं विकसित करने हेतु निर्माण एवं मरम्मत के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जो निर्माण कार्य पूरे हो गए हैं उनका उच्चाधिकारी निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन करें। इसी प्रकार उन्होंने प्रगतिरत कार्यों का भी निरीक्षण कर उनमें तेजी लाने के निर्देश दिए इसके साथ ही उन्होंने अप्रारंभ कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि ये कार्य अप्रारंभ क्यों हैं इसका समाधान कर कार्य शीघ्र प्रारंभ करवाए जाने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही इस वर्ष आंगनबाड़ियों को 7 हजार 500 नए नंद घर विकसित करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत पिछले वर्ष के पोषण पखवाड़ा में प्रथम आने की सफलता को दोहराते हुए इस बार फिर से राजस्थान को देश में फिर से प्रथम स्थान पर आने की प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अन्य योजनाओं और कार्यक्रमों में विभाग को कड़ी मेहनत कर इसी प्रकार राष्ट्रीय स्तर पर आग्रणी राज्य बनाने के निर्देश दिए।

निजी वाहनों पर *पुलिस*- *प्रेस* लिखना पड़ेगा भारी

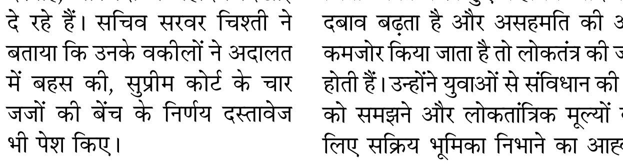

किशनगंज (हिंस)। जिले में निजी वाहनों पर *पुलिस, प्रेस* या अन्य भ्रामक पहचान लिखने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने ऐसे सभी नेम प्लेट एक सप्ताह के भीतर हटाने का अल्टीमेटम जारी किया है। प्रशासन की इस कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया है। एसपी ने स्पष्ट किया कि कई लोग अपने निजी वाहनों पर *पुलिस* या *प्रेस* लिखकर नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, जो पूरी तरह अवैध है। उन्होंने कहा कि इस तरह के नेम प्लेट का उपयोग कर कुछ लोग अनधिकृत विशेषाधिकार दिखाने की कोशिश करते हैं, जिससे आम जनता में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है। पुलिस अधीक्षक ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर यदि ऐसे नेम प्लेट नहीं हटाए गए, तो संबंधित वाहन मालिकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान को जिलाधिकारी विशाल राज का भी समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए यह कदम आवश्यक है। डीएम ने सभी वाहन मालिकों से अपील की है कि वे समय रहते अपने वाहनों से अवैध और भ्रामक नेम प्लेट हटा लें। प्रशासन के अनुसार, अवैध नेम प्लेट का दुरुपयोग कर कुछ लोग जांच से बचने या गलत गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश करते हैं, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है।

राष्ट्र निर्माण से जुड़े विचारों को बढ़ावा दे मीडिया : निम्बाराम

जयपुर (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम ने कहा कि समाज में वास्तविक परिवर्तन सत्ता के बल पर नहीं, बल्कि समाज की जागरुकता और एकजुटता से संभव होता है। उन्होंने पत्रकारों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि समाज को शिक्षित, प्रशिक्षित और संगठित करने का दायित्व पत्रकारिता का है। जब समाज सकारात्मक और राष्ट्रहितकारी विचारों के साथ आगे बढ़ता है, तभी सच्ची जागृति संभव होती है। क्षेत्र प्रचारक शनिवार को मालवीय नगर स्थित पाथेय कण संस्थान के देवर्षि नारद सभागार में विश्व संवाद केंद्र की ओर से आयोजित देवर्षि नारद जयंती एवं पत्रकार सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने पत्रकारिता को एक *धर्म* बताते हुए देवर्षि नारद का उदाहरण दिया, जिनकी विश्वसनीयता और प्रमाणिकता के कारण उन्हें हर स्थान पर सम्मान मिला। उन्होंने कहा कि आज के पत्रकारों को भी सत्यनिष्ठ, जिम्मेदार और संतुलित रहकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने चेताया कि ब्रेकिंग न्यूज और सनसनीखेज खबरों की होड़ में तथ्यहीन या राष्ट्रहित के विरुद्ध सामग्री प्रसारित करना उचित नहीं है। विशेष परिस्थितियों, जैसे राष्ट्रीय संकट या सुरक्षा से जुड़े मामलों में, समाचारों के प्रसारण में संयम और विवेक अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने भारतीय संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली इतिहास को पत्रकारिता में उचित स्थान देने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने कहा कि नकारात्मक नैरेटिव को बदलकर समाज में सकारात्मक और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विचारों को बढ़ावा देना चाहिए। पत्रकारिता को बिना किसी भेदभाव के स्वतंत्र और निष्पक्ष रहते हुए समाज और शासन दोनों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि पत्रकारों के समक्ष आज सबसे बड़ी चुनौती तेजी के साथ सत्यता बनाए रखना है। जल्दबाजी में कई बार समाचारों में त्रुटियां हो जाती हैं, जिससे समाज में भ्रम और नकारात्मकता फैलती है। शनिवार को मालवीय नगर स्थित पाथेय कण भवन में देवर्षि नारद जयंती एवं पत्रकार सम्मान समारोह का मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक (राजस्थान) निम्बाराम और कार्यक्रम अध्यक्ष स्वदेश समूह के सलाहकार संपादक गिरीश उपाध्याय ने दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया। समारोह के प्रथम चरण में कत्थक नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी गई, जिसमें

सृष्टि के संरक्षण में देवर्षि नारद के योगदान को भावपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया गया। अपने उद्बोधन में वासुदेव देवनानी ने नाट्य प्रस्तुति की सराहना की और कहा कि इसमें देवर्षि नारद के जीवन का सार सजीव रूप में देखने को मिला। उन्होंने कहा कि नारद ने कंस और रावण जैसे शक्तिशाली शासकों के समक्ष भी निर्भीक होकर सत्य का संदेश दिया। युधिष्ठिर को राजधर्म का बोध कराया। जहां-जहां वे गए, वहां उन्होंने सकारात्मक और रचनात्मक विचारों का प्रसार किया। देवनानी ने कहा कि नारद के जीवन से हमें मर्यादा, सत्य और निष्पक्षता का पालन करने की प्रेरणा मिलती है। विधानसभा अध्यक्ष ने वर्तमान समय में पत्रकारिता की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज सबसे बड़ी चुनौती तेजी के साथ सत्यता बनाए रखना है। जल्दबाजी में कई बार समाचारों में त्रुटियां हो जाती हैं, जिससे समाज में भ्रम और नकारात्मकता फैलती है। उन्होंने पत्रकारों से अपील की कि वे सनसनीखेज प्रस्तुति से बचें। समाचारों को संतुलन तथा जिम्मेदारी के साथ प्रस्तुत करें। उनके अनुसार पत्रकारिता केवल सूचना देने का माध्यम नहीं, बल्कि एक प्रकार का धर्म है, जिसे नैतिकता और गंभीरता के साथ निभाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पत्रकारों को भारत की उपलब्धियों और सकारात्मक पहलुओं को प्रभावी रूप से सामने लाना चाहिए, ताकि समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गिरीश उपाध्याय ने कहा कि देवर्षि नारद निर्भय होकर सत्य कहने के प्रतीक थे। यही गुण आज की पत्रकारिता में आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भले ही फिल्मों में नारद जी को अलग रूप में दिखाया गया हो, लेकिन वे वास्तव में लोकधर्म और सत्य के वाहक थे। उन्होंने *चौथा स्तंभ* की धारणा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पत्रकार का कार्य केवल स्तंभ की भांति निष्क्रिय रहना नहीं, बल्कि समाज में सक्रिय भूमिका निभाना है। उन्होंने वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को पत्रकारिता के सामने उभरती चुनौती बताते हुए कहा कि तकनीक के इस दौर में मानवीय संवेदनाओं, विवेक और संतुलन को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

मई को होंडा भारतीय बाजार में उतारेगी दो नए वाहन

नई दिल्ली

होंडा कार्स इंडिया एक बार फिर भारतीय बाजार में बड़ी हलचल मचाने की तैयारी में है। अगले महीने 22 मई को कंपनी दो नए उत्पाद पेश करने जा रही है, जिनमें एक बिल्कुल नई स्पोर्ट यूटिलिटी वाहन जेडआर-वी और दूसरी लोकप्रिय सेडान सिटी का अपडेटेड संस्करण शामिल है। होंडा की नई जेडआर-वी भारतीय बाजार में एक बिल्कुल नया नाम होगा, जिसे कंपनी प्रीमियम श्रेणी में पेश करने जा रही है। इसे पूरी तरह आयातित रूप में लाए जाने की संभावना है, जिससे इसकी कीमत करीब 40 लाख रुपये के आसपास रह सकती है।

यह वाहन एक आकर्षक और शहरी शैली के साथ सामने आएगा, जिसकी लंबाई लगभग साढ़े चार मीटर बताई जा रही है। इसमें शक्तिशाली दो लीटर क्षमता वाला चार सिलेंडर युक्त मजबूत मिश्रित प्रणाली (हाइब्रिड) इंजन मिलने की उम्मीद है, जो लगभग 180 अश्वशक्ति का प्रदर्शन कर सकता है।

इसमें बड़ा स्पर्श आधारित स्क्रीन, दोहरे क्षेत्र का तापमान नियंत्रण, आगे की सीटों का विद्युत संचालन, पीछे का स्वचालित दरवाजा, बिना तार के चार्जिंग और उन्नत चालक सहायता प्रणाली जैसी आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। नई जेडआर-वी के साथ कंपनी अपनी लोकप्रिय सेडान होंडा सिटी का भी अपडेटेड संस्करण पेश करेगी।

दक्षिण कोरिया में कार का कारोबार बंद करेगी होंडा

HONDA

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया में होंडा मोटर कंपनी ने अपने कार कारोबार को वर्ष 2026 के अंत तक पूरी तरह बंद करने की घोषणा की है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि वह अपने मौजूदा ग्राहकों को बिक्री के बाद मिलने वाली सभी सेवाएं, जैसे सर्विसिंग, मेंटेनेंस, स्पेयर पार्ट्स और वारंटी, पहले की तरह जारी रखेगी। होंडा ने वर्ष 2004 में दक्षिण कोरिया के बाजार में प्रवेश किया था और होंडा अकॉर्ड तथा होंडा सीआर-वी जैसे लोकप्रिय मॉडल पेश किए थे। हालांकि, कड़ी प्रतिस्पर्धा और लगातार सीमित बिक्री के कारण कंपनी यहां कभी मजबूत स्थिति नहीं बना सकी। आंकड़े बताते हैं कि कम बिक्री इस फैसले का प्रमुख कारण रही है। वर्ष 2025 में कंपनी दक्षिण कोरिया में 2000 से भी कम कारें बेच पाई, और मार्च 2026 में तो यह आंकड़ा केवल 84 गाड़ियों तक ही सीमित रहा। यह स्थिति तब है जब टेस्ला, बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज-बेंज जैसे ब्रांड्स इसी दौरान हजारों यूनिट्स की बिक्री कर रहे थे। दक्षिण कोरिया के बाजार में विदेशी कार ब्रांड्स के बीच प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है, और इस माहौल में होंडा के लिए अपनी बिक्री बढ़ाना बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। कंपनी का यह कदम दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

भारत में डिजिटल सिस्टम से छोटे उद्यमों की कमाई बढ़ी, अब बड़े कारोबारियों को दे पा रहे टक्कर

नई दिल्ली। भारत में सरकारी प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने की पहल का असर अब साफ तौर पर दिख रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की एक नई स्टडी के मुताबिक, जिन राज्यों ने प्रशासनिक कामकाज को तेजी से आनलाइन किया, वहां छोटे कारोबारों (माइक्रो एंटरप्राइज) की उत्पादकता बढ़ी है और अलग-अलग कंपनियों के बीच का अंतर भी कम हुआ है। यह अध्ययन 2010-11 और 2015-16 के राष्ट्रीय सर्वे डेटा पर आधारित है। इसमें अलग-अलग राज्यों के कारोबारों की तुलना की गई, खासकर उन राज्यों की जिन्होंने टैक्स फाइलिंग, परमिट, निरीक्षण और विवाद समाधान जैसे कामों को डिजिटल किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन राज्यों ने ज्यादा डिजिटल सुधार अपनाए, वहां कारोबारों की काम करने की क्षमता (प्रोडक्टिविटी) तेजी से बढ़ी। साथ ही कंपनियों के बीच जो फर्क पहले ज्यादा था, वह भी कम हुआ। इसका मतलब है कि छोटे और बड़े कारोबारों के बीच प्रतिस्पर्धा अब ज्यादा संतुलित हुई है। 2014 में राज्यों ने मिलकर 98-पाइंट एक्शन प्लान लागू किया था, जिसका मकसद बिजनेस के लिए नियम आसान बनाना और ज्यादा से ज्यादा प्रक्रियाओं को आनलाइन करना था। इसके तहत छह मुख्य क्षेत्रों टैक्स सिस्टम, निर्माण परमिट, पर्यावरण और श्रम नियम, निरीक्षण, व्यावसायिक विवाद और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस में सुधार किए गए। डिजिटल सिस्टम आने से छोटे कारोबारियों का काम काफी आसान हुआ। अब उन्हें सरकारी दफ्तरों के चक्कर कम लगाने पड़ते हैं, समय और पैसा दोनों की बचत होती है। आनलाइन टैक्स फाइलिंग और आटोमेटेड मंजूरी जैसी सुविधाओं ने पारदर्शिता बढ़ाई है और देरी को कम किया है। इससे रिश्वत जैसे अनौपचारिक खर्चों में भी कमी आई है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि जिन राज्यों में सुधार ज्यादा हुए, वहां कारोबार लगातार बेहतर प्रदर्शन करते दिखे।

एसबीआई एफडी पर पाएं शानदार रिटर्न और सुरक्षा, 2 लाख निवेश करें और पाएं 1.05 लाख तक का फिक्स रिटर्न

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने फिक्स्ड डिपाजिट (एफडी) पर आकर्षक ब्याज दरों की घोषणा की है, जिससे निवेशकों को सुरक्षित और गारंटीड रिटर्न का मौका मिल रहा है। ये स्कीमें 7 दिनों से लेकर अधिकतम 10 साल तक की अवधि के लिए उपलब्ध हैं। एसबीआई की एफडी योजनाओं में ब्याज दरें अवधि के अनुसार भिन्न हैं। न्यूनतम 7 दिन की एफडी पर 3.05 से 3.65 फीसदी तक ब्याज मिलता है, जबकि 46 दिनों से 179 दिनों तक की अवधि पर यह दर 4.90 से 5.50 फीसदी के बीच रहती है। 180 दिनों से 210 दिनों की एफडी पर बैंक 5.65 से 6.25 फीसदी तक ब्याज दे रहा है। वहीं, लंबी अवधि की एफडी, खासकर 5 से 10 साल की योजनाओं में, ब्याज दरें अधिकतम 7.15 फीसदी तक पहुंच सकती हैं, जो इसे एक बेहतरीन निवेश विकल्प बनाती हैं। निवेशकों के रिटर्न की बात करें तो 6 साल की एफडी स्कीम में 2 लाख के निवेश पर सामान्य नागरिकों को परिपक्वता पर करीब 2,86,747 रुपए मिलते हैं, जिसमें 86,747 रुपए का ब्याज शामिल है।

वैश्विक उथल-पुथल और घरेलू खरीदारी के बीच झूलता रहा भारतीय शेयर बाजार

मुंबई। मजदूर दिवस के अवकाश के कारण यह सप्ताह छोटा रहा, पर भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को भावनाओं के रोलरकोस्टर का अनुभव हुआ। लगातार तीन सत्रों की गिरावट के बाद सोमवार को बाजार में आशा लौटी पर मंगलवार और खासकर गुरुवार को वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और विदेशी फंडों की निकासी से बाजार फिर दबाव में आ गया। इस अस्थिर सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी में तीव्र उतार-चढ़ाव रहा। सप्ताह का पहला दिन भारतीय बाजार के लिए राहत भरा रहा। पिछली गिरावट के बाद सोमवार को बाजार जोरदार हरे निशान पर खुले। वैश्विक सकारात्मक संकेतों और प्रमुख शेयरों में खरीदारी से दिनभर तेजी रही।

क्रूजर बाइक वी302सी का नया अपडेटेड माडल लान्च

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में मोटरसाइकिल निर्माता कंपनी कीवे ने अपनी प्रीमियम क्रूजर बाइक वी302सी का नया अपडेटेड माडल लान्च कर दिया है। कंपनी को उम्मीद है कि यह बाइक भारतीय बाजार में और ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित करेगी। कंपनी ने इस मोटरसाइकिल में नया येलो कलर आप्शन शामिल किया है, जो पहले से उपलब्ध रेड और ब्लैक रंगों के साथ ग्राहकों को मिलेगा। फिलहाल कीवे की भारतीय वेबसाइट पर वी302सी के अलावा एसआर125 और एसआर250 माडल भी उपलब्ध हैं, लेकिन वी302सी अपनी दमदार डिजाइन और वी-ट्विन इंजन की वजह से सबसे अलग मानी जा रही है।

इस मोटरसाइकिल में 298 सीसी का वी-ट्विन इंजन दिया गया है, जो बेल्ट ड्रिवेन ट्रांसमिशन के साथ आता है। यह इंजन 8500 आरपीएम पर 29.5 हार्सपावर की ताकत और 6500 आरपीएम पर 26.5 न्यूटन मीटर का टार्क पैदा करता है। कंपनी ने बाइक की राइड क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए फ्रंट में टेलिस्कोपिक फोर्क और रियर में ट्विन शाक एब्जार्बर लगाए हैं। इसके अलावा बाइक में दोनों पहियों पर कास्ट अलाय व्हील और डिस्क ब्रेक दिए गए हैं, जिससे इसकी ब्रेकिंग क्षमता मजबूत होती है। फीचर्स की बात करें तो कीवे वी302सी में पूरी तरह डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, ड्यूल चैनल एबीएस, आल एलईडी लाइटिंग, सिंगल पीस सीट और 15 लीटर का बड़ा फ्यूल टैंक मिलता है। डिजिटल कंसोल में स्पीडोमीटर, ओडोमीटर, ट्रिप मीटर और फ्यूल लेवल जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दिखाई देती हैं। कंपनी का दावा है कि यह बाइक करीब 37 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है, जो इस सेगमेंट की बाइक के लिए अच्छा माना जा रहा है। सबसे खास बात यह है कि कंपनी ने इसकी कीमत में भी कमी की है। पहले यह बाइक 4.29 लाख रुपए की कीमत पर बिक रही थी, लेकिन अब जीएसटी लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के बाद इसकी कीमत घटाकर करीब 3.99 लाख रुपए कर दी गई है।

मुंबई में आवासीय मांग मजबूत, राजस्व वृद्धि में मामूली वृद्धि के साथ स्टाम्प शुल्क संग्रह बढ़ा

मुंबई । महाराष्ट्र में आवासीय पंजीकरण और स्टाम्प विभाग के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2026 में 13,864 संपत्ति लेनदेन के आंकड़े दर्ज हुए हैं, जो पिछले साल की तुलना में 6 प्रतिशत की अधिक हैं और यह एक दशक से अधिक समय में अप्रैल महीने के सबसे मजबूत आवासीय प्रदर्शन रहा है। जानकारों का कहना है यह उछाल शहरों आवासीय बाजार में उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को दिखाता है। पिछले साल अप्रैल 2025 की तुलना में इस साल अप्रैल में 14 साल का सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। इस महीने स्टाम्प शुल्क संग्रह 1,114 करोड़ रुपये से अधिक रहा, हालांकि पंजीकरण मे वृद्धि के बाद भी राजस्व वृद्धि सालाना आधार पर देखे तो लगभग एक प्रतिशत रही है। वृद्धि के बाद भी मुबई मे मांग में स्थिरता बनी हुई है नाइट फ्रैंक इंडिया के इंटरनेशनल पार्टनर चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर शिशिर बैजल बताते हैं, मुंबई में आवासीय बाजार लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रहा है और अप्रैल 2026 में पिछले एक दशक में किसी भी अप्रैल महीने की तुलना में सबसे अच्छा प्रदर्शन दर्ज किया गया है। पंजीकरण में लगातार उच्च वृद्धि बनी हुई है। बावजूद इसके टिकट के आकार में मामूली बदलाव की वजह से (यानी बड़े महंगे घरों की तुलना में मध्यम बजट वाले घरों की मांग) स्टम्प शुल्क संग्रह में थोड़ी नरमी आई है, लेकिन मांग लगातार बनी हुई है। आवासीय बाजार में बदलाव के संकेत रियल एस्टेट विशेषज्ञ पकंज कुमार कहते हैं, पिछले 14 वर्षों में अप्रैल महीने में सबसे अधिक पंजीकरण होना बाजार में अंतिम उपभोक्ताओं की मांग को दिखाते हैं। हालांकि स्टाम्प शुल्क संग्रह कुछ स्तर तक स्थिर रहा है, जो मध्य श्रेणी की आवास की ओर लेनदेन में बदलाव का संकेत देता है। यह भविष्य के लिए काफी अच्छा है, इससे यह भी पता चलता है, कि मध्यम वर्ग उपभोक्ता अपने घरों की खरीदारी को अब तेज कर रहे हैं, जिसमें छोटे टिकट साइज वाले आवासीय परियोजनाओं को लेकर मांग बढ़ेगी। महीने दर महीने गिरावट देखी गई आंकड़ों के अनुसार पिछले महीने की तुलना में अप्रैल में पंजीकरण 13 प्रतिशक की गिरावट आई स्टाम्प शुल्क संग्रह में 27 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। यह गिरावट मौसमी है, क्योंकि मार्च महीने में मजबूत लेनदेन के बाद अप्रैल में आम तौर गति धीमी हो जाती है।

प्रीमियम और बड़ी गाड़ियों पर ध्यान केंद्रित कर रही किआ

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में किआ इंडिया कंपनी प्रीमियम और बड़ी गाड़ियों के बाजार पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस साल की दूसरी छमाही में, किआ दो शानदार ग्लोबल मॉडल लॉन्च करने जा रही है। ये दोनों ही गाड़ियां हाइब्रिड टेक्नोलॉजी से लैस होंगी। कंपनी का उद्देश्य ऐसे ग्राहकों को आकर्षित करना है जो लग्जरी के साथ-साथ बेहतर माइलेज और पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखते हैं। इस कड़ी में पहली बड़ी एंट्री किआ सोरेंटो हाइब्रिड की होगी। यह एक दमदार डी-सेगमेंट एसयूवी है, जिसकी लंबाई 4,815 मिमी है और यह दिखने में काफी मस्कुलर है।

भारत में इसे 7-सीटर स्टैंडर्ड और 6-सीटर विकल्प के साथ उतारा जा सकता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि किआ इसे भारत में ही बनाने की योजना बना रही है, जिससे इसकी कीमतें कम रहने की उम्मीद है।

यह गाड़ी उन लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प होगी जो एक बड़ी फैमिली कार की तलाश में हैं। सोरेंटो के इंजन की बात करें तो भारत के लिए इसमें थोड़ा बदलाव देखा जा सकता है।

ग्लोबली इसमें 1.6-लीटर टर्बो पेट्रोल हाइब्रिड इंजन मिलता है, जबकि भारत में लागत कम रखने के लिए कंपनी इसमें 1.5-लीटर नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन का इस्तेमाल कर सकती है, जो सेल्टोस में भी देखने को मिलता है।

फीचर्स के तौर पर इसमें 14-वे पावर एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, वेंटिलेटेड सीटें, डिजिटल आईआरवीएम, जेस्चर-कंट्रोल टेलगेट और सुरक्षा के लिए 10-एयरबैग्स के साथ एडीएएस जैसे प्रीमियम फीचर्स मिलने की उम्मीद है। किआ की दूसरी बड़ी पेशकश नई कार्निवल हाइब्रिड होगी।

यह प्रीमियम एमपीवी संभवत: सीधे विदेश से आयात (सीबीयू) की जाएगी। इसमें 1.6-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ एक इलेक्ट्रिक मोटर जुड़ी होगी। दक्षिण कोरिया में यह गाड़ी करीब 14 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। भारत में इसे 7-सीटर लेआउट के साथ पेश किया जा सकता है।

साइबर ठगों के निशाने पर क्रिप्टोकरेंसी यूजर्स

मुंबई। देश में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के बीच अब क्रिप्टोकरेंसी यूजर्स भी ठगों के नए निशाने पर आ गए हैं। गृह मंत्रालय से जुड़ी साइबर एजेंसियों ने एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए खुलासा किया है कि ट्रस्ट वालेट जैसे लोकप्रिय क्रिप्टो वालेट इस्तेमाल करने वाले लोगों को बड़े पैमाने पर ठगा जा रहा है। ये ठग पी2पी प्लेटफार्म्स और नकली वेरिफिकेशन वेबसाइट्स के जरिए यूजर्स के वालेट खाली कर रहे हैं। इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर और एनसीटीएयू की रिपोर्ट के अनुसार, ठग पी2पी प्लेटफार्म्स पर संपर्क कर बातचीत को वाट्सएप या टेलीग्राम पर ले जाते हैं। फिर वे यूजर्स को नकली वेरिफिकेशन वेबसाइट्स पर भेजते हैं, जहां वालेट कनेक्ट करने को कहा जाता है। अनुमति मिलते ही, ठग बिना देरी के पूरा वालेट खाली कर देते हैं। क्रिप्टो लेनदेन अपरिवर्तनीय होने के कारण एक बार पैसा जाने पर उसे वापस पाना लगभग असंभव है। क्या बरतें सावधानी साइबर एजेंसियों ने यूजर्स को कुछ महत्वपूर्ण सावधानिया बरतने की सलाह दी है।

भारत की इकनामी क्रूड और कमजोर रुपए के बीच फंसी, इससे निकलना आसान नहीं

अगर यह स्थिति जल्द नहीं सुधरती तो देश में बढ़ सकती है महंगाई

नई दिल्ली

ईरान संकट के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को दोहरा झटका लगा है। होर्मुज खुलने पर छाए संकट के बीच क्रूड का भाव 122 डालर प्रति बैरल पहुंच गया है, लेकिन इससे भी बुरी खबर है कि भारतीय करेंसी गुरुवार को अपने इतिहास में सबसे कमजोर लेवल पर आ चुकी है। रुपए में 45 पैसे की गिरावट दिखी और यह इतिहास के सबसे कमजोर लेवल पर पहुंच गया है। भारत की इकनामी क्रूड और कमजोर रुपए के बीच फंस गई है और इससे निकलना आसान नहीं है। यही वजह है कि रेटिंग एजेंसियां अब विकास दर के अनुमान को घटाने लगी हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ग्लोबल मार्केट में ब्रेंट क्रूड का भाव 10 डालर से भी ज्यादा बढ़ गया है और 4 साल बाद पहली बार 122 डालर प्रति बैरल पहुंच गया है। इधर, फारेक्स बाजार में अमेरिकी डालर के मुकाबले रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर 95.34 पर पहुंच गया है। हालांकि, दोपहर में यह 95.25 पर कारोबार कर रहा था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डालर के मुकाबले 95.01 पर खुला फिर 46 पैसे टूटकर 95.34 के रिकार्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। फारेक्स बाजार में रुपया बुधवार को 20 पैसे कमजोर होकर 94.88 प्रति डालर के रिकार्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच 6 प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डालर की स्थिति को दर्शाने वाला डालर सूचकांक 0.03 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 98.79 पर रहा। इसका मतलब है कि डालर भले ही आज रुपये के मुकाबले मजबूत हुआ है, लेकिन अन्य ग्लोबल करेंसी के मुकाबले यह उतना मजबूत नहीं है। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव गुरुवार को 3.46 फीसदी बढ़त के साथ 122.11 डालर प्रति बैरल रहा। यह रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। क्रूड के दाम बढ़े तो डालर को भी मजबूती मिली, क्योंकि दुनिया में ज्यादातर क्रूड का लेनदेन डालर में होता है। अब डालर अगर मजबूत हो रहा है तो अन्य करेंसी कमजोर होंगी ही। इसका असर शेयर बाजार में भी दिखा, जहां विदेशी निवेशकों ने 2,468 करोड़ रुपए निकाल लिए क्योंकि उन्हें यह रकम अमेरिकी बान्ड में डालनी हैं। भारत के लिए यह स्थिति दोहरे चक्र वाली है, क्योंकि एक तो हम अपनी जरूरत का 85 फीसदी क्रूड बाहर से खरीदते हैं और दूसरा कि इसे खरीदने के लिए पहले रुपए से डालर खरीदते हैं और फिर उस डालर से तेल।

इंडोनेशिया के नए नियमों से संकट में भारत का मूंगफली का आयात

नई दिल्ली

इंडोनेशिया द्वारा मूंगफली के आयात पर लागू किए नए नियमों ने भारत के निर्यात क्षेत्र को बड़ा झटका दे दिया है। इन नए नियमों के तहत अब मूंगफली भेजने के लिए जीएपी (गुड एग्रीक्लचर प्रैटिस) सर्टिफिकेट अनिवार्य किया गया है, जो गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को तय करता है। लेकिन इस सर्टिफिकेट को पाने में आमतौर पर 90 से 180 दिन तक का समय लगता है, जबकि इंडोनेशिया ने व्यापारियों और किसानों को केवल 14 दिनों का समय दिया है।

इस कम समयसीमा के कारण भारतीय निर्यातकों के सामने गंभीर चुनौती खड़ी हो गई है और आने वाले कुछ महीनों के लिए निर्यात प्रभावित हो सकता है। इंडोनेशिया ने सिर्फ गुणवत्ता मानकों को ही सख्त नहीं किया, बल्कि अपने घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कोटा प्रणाली लागू की है। इससे आयात की मात्रा सीमित हो जाएगी, जिसका सीधा असर भारत जैसे बड़े निर्यातक देशों पर होगा। भारत के लिए यह स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि इंडोनेशिया उसकी मूंगफली का प्रमुख खरीदार रहा है। आंकड़ों के अनुसार,वित्तवर्ष 2024-25 में भारत ने करीब 7.46 लाख टन मूंगफली का निर्यात किया, जिसकी कुल कीमत करीब 795 मिलियन डालर थी। इसमें से करीब 2.77 लाख टन मूंगफली केवल इंडोनेशिया को भेजी गई थी। इसी तरह, वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल से फरवरी के बीच भारत ने 6.34 लाख टन मूंगफली का निर्यात किया, जिसमें से 1.54 लाख टन इंडोनेशिया को किया। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि इंडोनेशिया भारतीय मूंगफली के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। इस फैसले का असर केवल निर्यातकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि किसानों पर भी पड़ेगा। निर्यात में गिरावट आने से घरेलू बाजार में कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे किसानों की आय प्रभावित हो सकती है। कृषि निर्यात को बढ़ावा देने वाली संस्था एवीईडीए ने इंडोनेशिया में भारतीय उत्पादों की स्थिति मजबूत करने के लिए कई प्रयास किए थे, लेकिन नए नियमों ने उन कोशिशों को कमजोर किया है। हालांकि, यह नियम भुनी हुई मूंगफली पर लागू नहीं होगा, जिससे कुछ हद तक राहत मिल सकती है। यह पहली बार नहीं है जब इंडोनेशिया ने इसतरह के कदम उठाए हैं। इससे पहले भी सितंबर 2025 में अफ्लाटाक्सिन की अधिक मात्रा का हवाला देकर आयात पर रोक लगा दी थी। कुल मिलाकर, नए नियम भारत के मूंगफली निर्यात के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं।

रोड्स, फाफ डु प्लेसी और हेनरिक क्लासेन अब बने टीम मालिक

जोहांसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के तीन पूर्व क्रिकेटरों जोंटी रोड्स, फाफ डु प्लेसी और हेनरिक क्लासेन ने मिलकर एक टीम खरीदी है और अपने जीवन का एक नया अध्याय शुरु किया है। अब गुजरे जमाने के ये दिग्गज यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग में रोटरडम फ्रैंचाइज़ी के मालिक बन गये हैं।

यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) से जो यूरोप में क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव का अंदाजा होता है। यह कदम यूरोपीय महाद्वीप में टी20 क्रिकेट के विस्तार और व्यावसायिक संभावनाओं को दिखाता है।

यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग का पहला सत्र 26 अगस्त से 30 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में शहर-आधारित फ्रेंचाइजी होंगी, जिसका उद्देश्य स्थानीय प्रशंसकों को खेल से जोड़ना और यूरोप के विभिन्न हिस्सों में क्रिकेट के प्रति उत्साह पैदा करना है। रोटरडम के अलावा, लीग में अन्य शहर-आधारित फ्रेंचाइजी में ग्लास्गो, एम्सटरडम, एडिनबर्ग, डबलिन और बेलफास्ट शामिल हैं। यह संरचना विभिन्न यूरोपीय शहरों को क्रिकेट से जोड़ने और स्थानीय प्रशंसकों में उत्साह पैदा करने का लक्ष्य रखती है।

गौरतलब है कि रोड्स, अपनी शानदार फील्डिंग के लिए विश्व-प्रसिद्ध, खेल में हमेशा याद किये जाते हैं। उनका अनुभव और खेल की गहरी समझ निश्चित रूप से रोटरडम टीम को रणनीति बनाने और युवा प्रतिभाओं को निखारने में मदद करेगी। वहीं फाफ डु प्लेसी, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और एक अनुभवी टी20 लीग खिलाड़ी, की कप्तानी और बल्लेबाजी कौशल ने उन्हें दुनिया भर में पहचान दिलाई है। उनका यह कदम मालिक के रूप में क्रिकेट इकोसिस्टम में प्रवेश करने की उनकी इच्छा को दर्शाता है।

हेनरिक क्लासेन, एक विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज, आधुनिक टी20 क्रिकेट की मांगों को भली-भांति समझते हैं और उनकी गेम-चेंजिंग क्षमता टीम के लिए बहुमूल्य होगी। इन तीनों का संयोजन न केवल टीम को मजबूती देगा, बल्कि लीग की प्रतिष्ठा को भी बढ़ाएगा और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक विश्वसनीयता प्रदान करेगा।

पिछले कुछ वर्षों में, टी20 लीगों का उदय खेल के व्यावसायिक परिदृश्य को बदल रहा है, जिसमें खिलाड़ी अब केवल मैदान पर प्रदर्शन करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे खेल के प्रशासनिक और व्यावसायिक पहलुओं में भी अपनी जगह बना रहे हैं।

यह कदम यूरोप में क्रिकेट के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकता है, जहां पारंपरिक रूप से यह खेल उतना लोकप्रिय नहीं रहा है जितना कि दक्षिण एशिया या आस्ट्रेलिया जैसे क्षेत्रों में है पर अब इन दिग्गजों के आने से हालात बदलना तय है।

न्यूज़ ब्रीफ

मैड्रिड ओपन 2026: अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अलेक्जेंडर ब्लाक्स को हराकर फाइनल में बनाई जगह

मैड्रिड। मैड्रिड ओपन में विश्व नंबर-3 अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शुक्रवार रात शानदार प्रदर्शन करते हुए बेल्जियम के उभरते खिलाड़ी अलेक्जेंडर ब्लाक्स को सीधे सेटों में 6-2, 7-5 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना विश्व नंबर-1 जानिक सिनर से होगा। मैच के बाद ज्वेरेव ने कहा, फाइनल में पहुंचकर मैं बेहद खुश हूं। यहां कई कठिन मुकाबले और संघर्ष देखने को मिले। मैं जानिक सिनर के खिलाफ फिर खेलने को लेकर उत्साहित हूं। इस समय उनके लिए टेनिस खेलना बहुत आसान लग रहा है, लेकिन उम्मीद है कि फाइनल में मैं उन्हें कड़ी टक्कर दूंगा। ज्वेरेव ने मुकाबले की शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और पहले सेट में पहले और पांचवें गेम में ब्रेक हासिल कर 5-1 की बढ़त बना ली। हालांकि ब्लाक्स ने संघर्ष दिखाते हुए कुछ सेट प्वाइंट बचाए, लेकिन जर्मन खिलाड़ी ने चौथे मौके पर सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में ब्लाक्स ने कड़ा मुकाबला किया और कई ब्रेक प्वाइंट बचाए, लेकिन अंततः ज्वेरेव ने 6-5 की बढ़त बनाते हुए निर्णायक ब्रेक हासिल किया और मैच जीत लिया। इस जीत के साथ ज्वेरेव इस सत्र में पहली बार फाइनल में पहुंचे हैं। वह इससे पहले 2018 और 2021 में मैड्रिड ओपन का खिताब जीत चुके हैं और अब तीसरी बार ट्राफी जीतने के इरादे से उतरेंगे।

आईपीएल 2026: काइल जैमीसन पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप, चेतावनी के साथ एक डिमेरिट अंक मिला

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 43वें मुकाबले में आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन पर कार्रवाई की गई है। आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार, जैमीसन को लेवल-1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जिसके चलते उन्हें एक डिमेरिट अंक दिया गया और आधिकारिक चेतावनी जारी की गई। जैमीसन ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन किया, जो ऐसे व्यवहार से संबंधित है जिसमें खिलाड़ी द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा, हरकत या इशारा दूसरे खिलाड़ी को उकसा सकता है या अपमानजनक माना जा सकता है। यह घटना राजस्थान रायल्स के खिलाफ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान पहली पारी के दूसरे ओवर में हुई। जैमीसन ने जैसे ही वैभव सूर्यवंशी को आउट किया, उसके बाद वह बल्लेबाज के काफी करीब जाकर आक्रामक अंदाज में नजर आए, जिसे उकसाने वाला व्यवहार माना गया। मैच रेफरी राजीव सेठ द्वारा दी गई सजा को जैमीसन ने स्वीकार कर लिया है। यह मैच दिल्ली कैपिटल्स ने 7 विकेट से जीता।

अब टीम को जीत दिलाना ही मेरी प्राथमिता : भुवनेश्वर

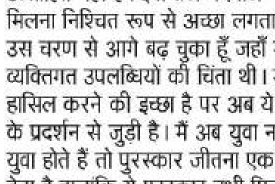

अहमदाबाद। आईपीएल के इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर पर्पल कैप के दावेदार बने रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा है कि अब उनका लक्ष्य व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करना नहीं बल्कि टीम को जीत दिलाना रहता है। भुवनेश्न ने इस सत्र में अब तक सबसे अधिक 17 विकेट लिए हैं। अपनी सफलता से भुवनेश्वर अति उत्साहित नहीं हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा, पर्पल कैप मिलना निश्चित रूप से अच्छा लगता है, लेकिन मैं अब उस चरण से आगे बढ़ चुका हूँ जहाँ मुझे अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों की चिंता थी। मेरी अब भी कुछ हासिल करने की इच्छा है पर अब ये पूरी तरह से टीम के प्रदर्शन से जुड़ी है। मैं अब युवा नहीं रहा, जब आप युवा होते हैं तो पुरस्कार जीतना एक अलग अहसास देता है हालांकि ये पुरस्कार तभी मिलते हैं जब आप मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करते हैं। भुवनेश्वर ने कहा कि वह हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करते हैं और टीम प्रबंधन का सहयोग उन्हें प्रेरित करता है। उन्होंने इस आईपीएल सीजन में लक्ष्य का पीछा करने में अधिकर टीम को आसानी हुई है। फिर चाहे कोई भी मैदान क्यों न हो। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाज कर 155 रन बनाये लेकिन गुजरता ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। ,भुवनेश्वर ने कहा कि केवल रन बचाने से मैच नहीं जीते जा सकते थे; जीत के लिए विकेट लेना जरुरी है।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं मनु भाकर

नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फार्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है।

उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया। अब उनका लक्ष्य एक बार फिर अपनी पुरानी, शीर्ष स्तरीय लय हासिल करना है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक निर्विवाद मजबूत दावेदार बनाएगी। यह वापसी केवल उनके लिए नहीं, बल्कि भारतीय शूटिंग जगत के लिए भी प्रेरणा का स्रोत होगी।

2028 लास एंजिलिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन चक्र भी इसी साल से शुरू हो रहा है, और मनु भाकर इस पर भी अपनी पैनी निगाहें जमाए हुए हैं। उनका मानना है कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में किया गया दमदार प्रदर्शन न केवल उन्हें वर्तमान सत्र में सफलता दिलाएगा, बल्कि लास एंजिलिस ओलंपिक के लिए भी एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करेगा।

खेल के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी मनु ने साझा किया। उन्होंने 2030 कामनवेल्थ गेम्स में शूटिंग की वापसी पर अपनी खुशी व्यक्त की। अपने खेल जीवन के अलावा, मनु ने अपने व्यक्तिगत जीवन में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैं अब एक आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। यह आध्यात्मिक यात्रा ओलंपिक के दौरान ही शुरू हुई थी, और अब मैं पूरी तरह से इस रास्ते पर आगे बढ़ रही हूं। यह नया दृष्टिकोण उन्हें मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान कर रहा है, जो एक उच्च-स्तरीय एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

थामस कप बैडमिंटन : लक्ष्य ने चीनी ताइपे के टिएन को हराकर भारत को बढ़त दिलायी

होर्सेंस। भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल लक्ष्य सेन ने चीनी ताइपे के चोउ टिएन चेन को 18-21, 22-20, 21-17 से हराकर भारत को थामस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल्स के क्वार्टरफाइनल में 1-0 से बढ़त दिलायी। लक्ष्य ने दो मैच अंक बचाकर विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी टिएन चेन को पराजित किया। लक्ष्य ने मैच में शुरुआत में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए ये जीत हासिल की। लक्ष्य ने एक घंटे और 28 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21, 22-20, 21-17 से जीत हासिल की। इस मुकाबले से पहले दोनों ही खिलाड़ियों के बीच मुकाबले का रिकार्ड 4-4 से बराबरी पर था। इस मुकाबले में लंबी रैलियों के अलावा जबरदस्त स्ट्रोकप्ले देखने को मिला। चोउ ने पहले गेम में 10-15 से पिछड़ने के बाद जीत हासिल की पर लक्ष्य ने दूसरे मुकाबमे को अपने नाम कर लिया। भारतीय खिलाड़ी ने 13-17 से पीछे रहने के बाद वापसी करते हुए चार अंक जीतकर स्कोर बराबरी पर ला दिया। चोउ को दो मैच अंक मिले पर लक्ष्य ने शांत रहकर खेलते हुए दो अंक बचाकर मैच को निर्णायक मुकाबले तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में चोउ लय में नहीं दिखे जिसका लाभ उठाते हुए लक्ष्य ने ब्रेक के दौरान 11-7 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद भी उन्होंने मैच अपने कब्जे में कर लिया।

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबलों में नहीं खेल पायेंगे सैंटनर

आकलैंड

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को अगले महीने आयरलैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र मैच से पहले एक करार झटका लगा है। टीम के कप्तान मिशेल सैंटनर चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेलेंगे। सैंटनर इस मैच के अलावा इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे। सैंटनर को आईपीएल में फील्डिंग के दौरान लगी कंधे में चोट लग गयी है। इसी कारण वह अगले एक महीने तक खेल से दूर रहेंगे।

सैंटनर को यह चोट 23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच हुए मैच में लगी थी। कैच लेने के प्रयास में उनका बायां कंधा और सिर जमीन से टकरा गया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि सैंटनर फिट नहीं है। इस बयान में कहा गया, सैंटनर स्वदेश पहुंच गये हैं और वह सुबह एक विशेषज्ञ से मिले। विशेषज्ञ ने जांच के बाद बताया कि उन्हें कम से कम एक महीने के आराम करने के साथ ही रिहैबिलिटेशन के दौर से भी गुजरना होगा। आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को देखते हुए ये उनके लिए निराशाजनक है।

सैंटनर अब आयरलैंड के 27 मई को बेलफास्ट में होने वाले मैच से बाहर हो गये हैं। इसके अतिरिक्त, वह इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले के लिए भी उपलब्ध नहीं होंगे, जो 4-8 जून को लार्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेला जाएगा। बोर्ड ने आगे कहा है कि दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच के लिए उनकी उपलब्धता पर फैसला बाद में किया जाएगा। न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड के खिलाफ बाकी दो टेस्ट द ओवल (17-21 जून) और ट्रेंट ब्रिज (25-29 जून) में खेलेगी। सैंटनर का नहीं होना टीम के लिए नुकसानदेह।

ओपन टेनिस टूर्नामेंट

इटली में 2026 इटली ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले एक ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लेती चीन की झेंग किनवेन।

टेपे सिगेमन शतरंज 2026 : अर्जुन एरिगैसी ने दुनिया के नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को ड्रा पर रोका

माल्मो (स्वीडन)

टेपे सिगेमन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट के 31वें संस्करण में भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने शानदार शुरुआत करते हुए दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को पहले दौर में ड्रा पर रोक दिया।

मैच के दौरान कार्लसन ने क्वीन साइड पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन अर्जुन ने सटीक बचाव करते हुए चाल चलकर पास्ड प्यादे के खतरे को खत्म कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपने घोड़े को सक्रिय करते हुए स्थिति को सरल बनाया। रूक के आदान-प्रदान के बाद सफेद मोहरों के पास जीत का कोई स्पष्ट रास्ता नहीं बचा और मुकाबला ड्रा पर समाप्त हुआ।

2026 में मिला धीमा आगाज

अर्जुन एरिगैसी के लिए 2026 की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी। वह टाटा स्टील मास्टर्स में 13वें और फीडे फ्रीस्टाइल शतरंज विश्व चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे, जिसे कार्लसन ने जीता था।

मजबूत प्रतिस्पर्धा वाला टूर्नामेंट

यह टूर्नामेंट क्लासिकल शतरंज के सबसे मजबूत आयोजनों में से एक माना जाता है। इसमें 2024 के विजेता नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव, 2021 के चैंपियन जोर्डन वान फोरेस्ट और स्वीडन के नंबर-1 खिलाड़ी निल्स ग्रैंडेलियस जैसे दिग्गज खिलाड़ी खिताब के लिए मुकाबला कर रहे हैं।

अर्जुन का यह ड्रा उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला साबित हो सकता है, क्योंकि उन्होंने दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी के खिलाफ बेहतरीन खेल दिखाया।

बिशप ने पांड्या का बचाव किया, अन्य खिलाड़ी भी लें जिम्मेदारी

जमैका

वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर इयान बिशप ने आईपीएल में मुम्बई इंडियंस टीम के खराब प्रदर्शन लिए निशाने पर आये टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का बचाव किया है। बिशप ने कहा है कि टीम का प्रदर्शन खराब रहा है पर इसके लिए केवल कप्तान को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है। कप्तान ही अकेले टीम को जीत नहीं दिला सकता। टीम के अन्य खिलाड़ियों की गलती है इसलिए टीम का प्रदर्शन खराब रहा है। पांच बार की विजेता मुम्बई इस बार अंक तालिका में नौवें पायदान पर है। वह अब तक खेले गए आठ मैचों में से केवल दो में जीत पायी है। हार्दिक इस बार गेंद और बल्ले से भी प्रभावित नहीं कर पाये हैं जिसके बाद से ही टीम के प्रशंसक उन्हें कप्तानी से हटाने की भी मांग कर रहे हैं। बिशप ने पांड्या का बचाव करते हुए कहा कि मुंबई इंडियंस की विफलता का कारण किसी एक शख्स पर नहीं फोड़ा जा सकता। सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह जैसे टीम के बड़े खिलाड़ियों का खराब प्रदर्शन भी इसका कारण है। बिशप ने कहा, टीम की विफलता में कमी का जिम्मेदार किसी एक को नहीं ठहराया जा सकता। हार्दिक ने खुद स्वीकार किया है कि उनकी फार्म को और बेहतर होना चाहिए पर उनके बाकी बड़े खिलाड़ियों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी एक व्यक्ति को अपने ऊपर दोष नहीं लेना चाहिए।

बैडमिंटन : शटलर्स का शानदार आगाज़, पहले दिन उभरते सितारों ने दिखाया दमखम

इंदौर। इंदौर जिला बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में आयोजित श्रीमती शांता देवी कमल भंडारी मेमोरियल सब-जूनियर जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप का रंगारंग आगाज हुआ। 300 से अधिक प्रविष्टियों के साथ शुरू हुई इस स्पर्धा के पहले ही दिन कोर्ट पर कड़ा संघर्ष देखने को मिला। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि अतिरिक्त महाधिवक्ता राहुल सेठी ने किया। अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज मुंशी ने की। इस दौरान शेखर व केतन भंडारी विशेष अतिथि थे। स्वागत डा. अनिल भंडारी, आर.पी. सिंह नय्यर व रजनीश जैन ने किया। संचालन सुधांशु व्यास ने किया एवं आभार मनीष त्रिवेदी ने व्यक्त किया। बालक अंडर-13 : अनिन्जय कृष्ण बिंजू ने अर्नव नालायया को, यथार्थ सूर्य ने दीपेन्द्र बैरागी को, आयांश साहू ने करण पांडे को और मनीत पुंगलिया ने अबीर गोयल को हराया। वहीं हर्ष वर्धन, वीर मिरचंदानी, अथर्व दुबे, अन्वित गोयल, अनय जैन, अदम्य मिश्रा, निश्चय कुशवाह, आयांश मोहता, अर्नव गौर, शुभ जैन, अर्पण गांधी और वेदांत सिंह तोमर ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। बालिका अंडर-13 : नवेशा पुरोहित ने सान्या मौर्य को, आराध्या पाठक ने सान्वी मौर्य को और तन्वी गांधी ने अवनि गुर्जर को शिकस्त दी। इनके अलावा पारिधि भारद्वाज, मानवी गांधी, अर्शिया गुप्ता, राधिका सोनी और शनाया सिंहवानी भी विजयी रहीं। बालक अंडर-15 : लक्ष्य सिंह चौहान ने प्रतीक पटेल को मात दी। मितांश जैन, हर्ष बाधे, शिवांश शर्मा, शाश्वत दुबे, कार्तिकेय उपाध्याय, अभ्युदय दांडेवाल, ह्ध्दान जायसवाल, कबीर शर्मा और अंश चंसोरिया ने भी जीत के साथ अभियान की शुरुआत की।

कामकाजी युवा अपनाएं यह खास उपाय...

मिलेगी गजब की फुर्ती

आज का युवा जीवन से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने और धन, यश, प्रतिष्ठा पाने के लिए भाग-दौड़ रहा है। इसका असर जीवन शैली पर भी दिखाई दे रहा है। जीवन तनावपूर्ण, अनियंत्रित और असंयमित हो गया है। काम की व्यस्तता के कारण खान-पान, रहन-सहन में असंतुलन पैदा हो गया है। इससे शयन क्रिया से लेकर पाचन क्रिया पर होने वाला बुरा असर शरीर को सेहतमंद रखने में बाधा बन रहा है।

इन सभी कारणों के नतीजतन शरीर रोग का घर बनता जा रहा है। अनियमित दिनचर्या के कारण आंखों का कमजोर होना, बाल झड़ना, कमजोरी, डायबिटिज, ब्लड प्रेशर जैसे अनेक रोग कम उम्र में ही अनेक युवाओं पर हावी है। आज के वैज्ञानिक युग में हालांकि इन रोगों से मुक्ति के चिकित्सा के द्वारा उपाय हैं। यह उपाय रोग नियंत्रण तो करते हैं, किंतु साथ ही दवाईयों का बुरा असर शरीर में परेशानी पैदा करता है या कमजोर बनाता है। किंतु सनातन धर्म में बताए गए कुछ ऐसे उपाय व काल नियत है जो न केवल शरीर को निरोग रखते हैं, बल्कि रोगग्रस्त होने की संभावना समाप्त कर देते हैं।

चुस्ती-फुर्ती के लिए आस्था भी चाहिए

सेहतमंद और मुस्तैद बने रहने के लिए युवाओं के लिए अधिकमास में भगवान विष्णु व युवाओं के आदर्श कर्मयोगी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति के साथ व्रत-उपवास की भी बड़ी अहमियत है। खासतौर पर आस्था रखने वाला हर कामकाजी युवा इनके जरिए ऊर्जा व चुस्ती-फुर्ती बरकरार रख सकता है। धार्मिक नजरिए उपवास का दर्शन यह है कि ईश्वर के समीप बैठना यानी भगवान की भक्ति में लीन हो जाना। इससे कुछ समय के लिए जीवन के तनाव और दबाव से हटकर मन शांत होता है, जिससे मिलने वाली धार्मिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से तन और मन काम करने के लिए तरोताजा हो जाते हैं।

उपवास करने से भी होता है फायदा

दूसरी ओर व्यावहारिक नजरिए से हफ्ते में एक बार उपवास कर पूरे दिन अन्न त्याग करने से शरीर की सभी क्रियाओं खासतौर पर पाचन तंत्र को आराम मिलता है। इन क्रियाओं का आपसी संतुलन अच्छा होने के साथ ही इनकी कार्यक्षमता बढ़ती है। इस तरह उपवास का पालन शरीर के लिए ऐसी अचूक औषधी के समान है। जो निरोग और दीर्घायु जीवन तय करता है। इसलिए अधिकमास में उपवास या व्रत भी आज के युवाओं के लिए सफलता का सबसे सटीक उपास साबित हो सकता है।

कैसे करें अपने गुस्से को ठीक तरह से काबू...

कहावत है कि गुस्से की आग पर धर्य का ठंडा पानी डाल दो। क्रोध और जल का बड़ा गहरा संबंध है। दोनों की तासीर एक जैसी है। दोनों नीचे की ओर बहते है। अगर ऊपर उठाना हो तो प्रयास करना पड़ता है। इसीलिए आदमी क्रोध के मामले में यदि विचार करे तो पाएगा कि किसी और व्यक्ति और स्थिति का परिणाम उसने अपने ऊपर ले लिया।

थोड़ा-बहुत नुकसान खुद का किया और फिर इसे आगे स्थानांतरित कर दिया। पारिवारिक खेलों में एक खेल होता है। गोला बनाकर लोग बैठ जाते हैं और कोई गेंद या वस्तु एक-दूसरे के हाथ में ट्रांसफर करते रहते हैं। जिस समय रेफरी सीटी बजा देता है और उस समय जिस किसी के हाथ में वह वस्तु होती है, उसे मैदान के बाहर जाना पड़ता है। ोध के मामले में भी हम रोज ऐसा ही खेल खेलते हैं। सब एक-दूसरे को थमाए जाते हैं। अब चूंकि जल की गति नीचे की होती है, ऐसे ही ोध भी अपने से नीचे वाले में आसानी से खिसकाया जाता है। कार्यालयों में बॉस ने डांटा, अब चूंकि ोध ऊपर नहीं फेंका जा सकता, इसलिए वह पहली फुर्सत में इस खतरनाक गेंद को नीचे टपकाएगा। जीवनसाथी और बच्चे ोध के ऐसे ही स्थानांतरण की चपेट में आ जाते हैं। चूंकि अपने से वरिष्ठ से मिला हुआ ोध लौटाना तो दूर, व्यक्त भी नहीं किया जा सकता, बल्कि उसे अपने भीतर दबाया जाता है तो फिर उसका विस्फोट होना ही है। इसीलिए घरों में दफ्तर जैसी अशांति नजर आती है। ोध से बचने का सरल उपाय यह है कि पहले तो इसे स्वीकार ही न करें और यदि लेना ही पड़े तो दूसरे को स्थानांतरित न करते हुए अपने ही धर्य के जल से इसे शांत कर दें।

जब भी असफल या निराश हों, सबसे पहले ये करें....

जब कभी हम परेशान होते हैं तो परेशानी दूर करने का निदान ढूंढ़ते हैं। ऐसा करना भी चाहिए। ऐसा करते हुए एक काम और किया जाए। उस परेशानी के कारण को भी पकड़ें। यहां यह ध्यान रखें कि कारण दूसरों में न ढूंढ़े।

जब भी हम निराश हों, असफल हों, दुखी हों तो सीधे अपने भीतर छलांग लगाएं और टटोलें कि इसके पीछे हम कहां हैं। अब जैसे-जैसे हम गहराई में उतरकर अपने पर ही काम करेंगे, हमारी मुलाकात हमारी इंद्रियों से होगी। इंद्रियां भी चूंकि एक नहीं हैं, इसलिए उनमें से उस एक को पकड़ो, जो सबसे ज्यादा ताकतवर है और विषयों से जुड़कर हमें परेशान कर रही है। लेकिन उससे झगड़ा न किया जाए, क्योंकि उसकी शक्ति हमारी कमजोरी बनती है। उसका अनियंत्रण ही हमारी परेशानी का कारण है। जीवन में गुरु अपने शिष्यों की कमजोरियों को इंद्रियों के माध्यम से पकड़ते हैं और उसी कमजोरी को शक्ति में रूपांतरित कर देते हैं।

इंद्रियों को बनाए सच्चा दोस्त

इंद्रियों को हमारा दुश्मन बनाने की जगह दोस्त बनाने की कला एक सच्चा गुरु जानता है। इंद्रियों से जितना अधिक झगड़ा करेंगे, उतनी ही परेशानी हम और बढ़ा लेंगे। हम भीतर ही भीतर खुद से उलझने लग जाएंगे। इंद्रियां हमारी खुशी और परेशानी के लिए एक पुल की तरह हैं। वे एक रास्ते के माफिक हैं। हम उनसे झगड़ा करके पुल को ध्वस्त कर लेते हैं और रास्ते को ऊबड़-खाबड़ बना लेते हैं। कोई कभी उनसे भी झगड़ा करता है, जो काम आने वाले लोग हों। इंद्रियां जितना काम बिगाड़ती हैं, उससे ज्यादा काम बना भी सकती हैं। इसलिए इंद्रियों को समझें तो सुख और दुख के कारण समझ में आ जाएंगे तथा निदान भी सही हो जाएगा।

अगर परिवार को सुखी रखना है तो इस संस्कार की सफलता जरूरी

जीवन की जिन-जिन गतिविधियों पर हमें भविष्य का संदेह बना रहता है, उनमें से एक है विवाह। वर्तमान में विवाह एक संस्कार न होकर दबाव बन गया है। विवाह करने और कराने वाले सभी इस बात को लेकर आशंकित रहते हैं कि भविष्य में शांति मिलेगी या नहीं।

अब जो शादियां हो रही हैं, उनमें समूचे परिवार की जिम्मेदारी केंद्र में नहीं है। अब केंद्र में दो व्यक्तियों की महत्वाकांक्षाएं हैं। सबकी अपनी-अपनी दिशाएं हैं। इसलिए सहयोग समन्वय से ज्यादा समझ का कारक वैवाहिक जीवन में जरूरी हो गया है। आपसी समझ का उदाहरण शिव-पार्वती के दांपत्य में आया है। आज एक बड़ा समाज महेश जयंती मना रहा है। इस दिन का संदेश यह होना चाहिए कि शिव से सीख लें कि परिवार कैसे बचाया जाता है।

परिवार के 3 कोण हैं

पहला है भोग, जिसका संबंध शरीर से है। दूसरा है संतानउत्पत्ति, जो परिवार से जुड़ता है और तीसरा है भावना, जिससे परिवार में अध्यात्म जगता है। भोग दांपत्य जीवन की आवश्यक बुराई है।

इसलिए रास्ता यह निकाला जाए कि भोग भावना और अध्यात्म से जुड़ जाए। इससे यह हानिकारक नहीं रहेगा। इसलिए शादी और समझ का गठबंधन पहले होना चाहिए, फिर फेरे लगाते समय गठबंधन की बात की जाए। स्त्री और पुरुष का जुड़ाव निरपेक्ष भाव से होगा तो शादी का आनंद ही अलग होगा। पर हमारे यहां विवाह मांग से शुरू होते हैं, मांग से ही चलते हैं और मांगते-मांगते ही खत्म हो जाते हैं। जिसने वैवाहिक जीवन दान से चलाया, जो अपने जीवनसाथी को देने को तयार हो, बस वहीं से सुगंध उठेगी और वहीं से बैकुंठ जागेगा।

विवाह के बाद ध्यान रखनी चाहिए ये सात बातें

संयम
यानि समय-यमय पर उठने वाली मानसिक उत्तेजनाओं जैसे- कामवासना, अहंकार तथा मोह आदि पर नियंत्रण रखना। राम-सीता ने अपना संपूर्ण दाम्पत्य बहुत ही संयम और प्रेम से जीया। वे कहीं भी मानसिक या शारीरिक रूप से अनियंत्रित नहीं हुए।

संतान
दाम्पत्य जीवन में संतान का भी बड़ा महत्वपूर्ण स्थान होता है।पति-पत्नि बीच के संबंधों को मधुर बनाने में बच्चों की भूमिका रहती है। राम-सीता के बीच वनवास को खत्म करने और सीता को पवित्र साबित करने में लव और कुश ने ही भूमिका निभाई थी।

संवेदनशीलता
पति-पत्नि के रूप में एक दूसरे की भावनाओं का समझना और उनकी कद्र करना। राम और सीता के बीच संवेदनाओं का गहरा रिश्ता था। दोनों बिना कहे-सुने ही एक दूसरे के मन की बात समझ जाते थे।

सक्षम
सामर्थ्य का होना। दाम्पत्य यानि कि वैवाहिक जीवन को सफलता और खुशहाली से भरा-पूरा बनाने के लिये पति-पत्नि दोनों को शारीरिक, आर्थिक और मानसिक रूप से मजबूत होना बहुत ही आवश्यक है।

समर्पण
वैवाहिक जीवन में पति-पत्नि का एक दूसरे के प्रति पूरा समर्पण और त्याग होना भी आवश्यक है। एक-दूसरे की खातिर अपनी इच्छाओं को त्याग देना या समझौता कर लेना दाम्पत्य संबंधों को मधुर बनाए रखने के लिये बड़ा ही जरूरी होता है।

संकल्प
वैवाहिक जीवन में एक अच्छा जीवन जीने के लिए संकल्प की भावना भी उतनी ही जरूरी होती है। जितना की विश्वास पति-पत्नि के रूप अपने धर्म संबंध को अच्छी तरह निभाने के लिये अपने कर्तव्य को संकल्प पूर्वक पूरा करना।

संतुष्टि
यानि एक दूसरे के साथ रहते हुए समय और परिस्थिति के अनुसार जो भी सुख-सुविधा प्राप्त हो जाए उसी में संतोष करना। दोनों एक दूसरे से पूर्णतः संतुष्ट थे। कभी राम ने सीता में या सीता ने राम में कोई कमी नहीं देखी।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**